संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 221
पृष्ठ 8
शुक्रवार
02 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इस तरह बनाएं चिकन बिरयानी...
विचार- दुष्प्रचार साबित हुआ सीडब्ल्यूजी घोटाला
खेल- वैभव को लेकर चिंतित हैं द्रविड़...

अभिव्यक्ति जब पराकाष्ठा पर हो तो विकार बन जाता है अधिकार : जगदीप धनखड़

उपराष्ट्रपति ने किया पुस्तक चुनौतियां मुझे पसंद हैं का विमोचन

लखनऊ, संवाददाता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति जरूरी है, लेकिन जब यह अपनी सीमा लांघ जाए, तो अधिकार नहीं, विकार बन जाती है। वह डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की जीवनी चुनौतियां मुझे पसंद हैं के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संवाद, अभिव्यक्ति और वाद–विवाद से ही पुष्ट होता है, लेकिन इसके लिए एक स्वस्थ ईको सिस्टम जरूरी है। उन्होंने आगाह किया कि व्यक्ति और संस्थाएं जब अहम और अहंकार में घिर जाती हैं, तो यह उनके लिए घातक बन जाता है। सांस्कृतिक विरासत को बेमिसाल बताते हुए उन्होंने कहा कि हमें हर चुनौती को स्वीकार करना चाहिए,

चाहे वह बाहरी हो या भीतरी। पहलगाम की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने उसे भी देश के लिए एक चुनौती बताया, लेकिन भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। सबसे खतरनाक चुनौती वह होती है जो अपने ही लोगों से मिलती है, लेकिन उसकी चर्चा भी नहीं की जा सकती। स्पष्ट किया कि सीएम, सांसद जैसे जनप्रतिनिधियों की शपथ संविधान के प्रति होती है जबकि राष्ट्रपति और राज्यपाल की शपथ भिन्न होती है। ऐसे गरिमापूर्ण पदों पर की जाने वाली टिप्पणियों पर चिंता जताते हुए उपराष्ट्रपति ने संस्थानों के बीच समन्वय और सम्मानपूर्ण सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पुस्तक में जीवन के मेरे प्रसंग हैं जो दूसरों को प्रेरणा दे सकते हैं, उन्होंने अपने सामाजिक से राजनीतिक संघर्ष को भी साझा किया। परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि चुनौतियों से सामना करके ही व्यक्ति आगे बढ़ता है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्चुनौतियां मुझे पसंद हैं को नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बताते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जीवन संघर्ष को एक प्रेरणादायक गाथा कहा। उन्होंने कहा कि गुजरात के एक छोटे से गांव से निकलकर उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य की राज्यपाल बनने तक की यात्रा आसान नहीं। पुस्तक में संसाधनों की कमी, सामाजिक बंधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ने वाली नारी शक्ति की कहानी है। सीएम ने कहा कि यह केवल एक जीवनी नहीं बल्कि जीवन के उन पहलुओं को छूती है, जो संघर्ष के रास्ते पर सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाते हैं। उन्होंने लेखक त्रय विनय जोशी, अशोक देसाई और पंकज जानी का आभार जताया, जिन्होंने इस कृति को 14 अध्यायों में इस तरह रचा है जैसे समुद्र मंथन से निकले 14 रत्न। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मार्गदर्शन में महाकुंभ को वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने पुस्तक विमोचन जैसे आयोजनों को लोकतंत्र को मजबूती देने वाला बताया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना सहित अन्य मंत्री जनप्रतिनिधि, राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति शिक्षक उपस्थित रहे।

वेव्स सम्मेलन 2025 का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, बोले-

वेव्स सिर्फ एक शब्द नहीं, लहर है

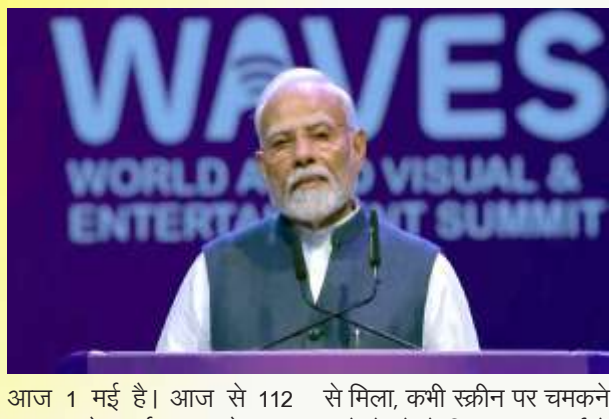

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वेव्स सम्मेलन में कहा कि प्रतिभा और रचनात्मकता के वैश्विक परिवेशी तंत्र की आधारशिला रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि 'वेव्स' केवल शब्द–संक्षेप नहीं है; यह संस्कृति, रचनात्मकता, फिल्म संगीत, गेमिंग, कहानी कहने की शैली की एक लहर है। वेव्स सम्मेलन पहले ही क्षण से दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज यहां मुंबई में 100 से अधिक देशों के कलाकार, निवेशक और नीति निर्माता एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। मोदी ने कहा कि एक तरह से आज यहां वैश्विक प्रतिभा और वैश्विक रचनात्मकता के एक वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि वेव्स एक ऐसा वैश्विक मंच है, जो आप जैसे हर कलाकार, हर निर्माता का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए विचार के साथ रचनात्मक दुनिया के साथ जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि

आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्मजयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने–कोने में ले जाने में सफलता पाई है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग वर्ल्ड, कभी म्यूजिक की दुनिया के लोगों से, फिल्म निर्माता से मिला, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला। इन चर्चाओं में अक्सर भारत की रचनात्मकता, सृजनात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग की बातें उठती थीं। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के पहले ही क्षण से यह उद्देश्यपूर्ण रूप से जोर पकड़ रहा है। पहले ही संस्करण में ॅ।टम्ै ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लाल किले से मैनें श्सबका प्रयासश की बात कही है। आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेव्स को नई ऊंचाई देगा।

हेडलाइन तो दे दी, लेकिन डेडलाइन कहां है? जाति गणना को लेकर कांग्रेस का मोदी सरकार से सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने गुरुवार को आगामी जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के फैसले की घोषणा के बाद सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना समय सीमा के सुर्खियां बनाने में माहिर हैं। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि इस फैसले को लेकर कई सवाल उठते हैं, खासकर सरकार की मंशा पर, और मांग की कि

जनगणना जल्द से जल्द होनी चाहिए। पार्टी के 24, अकबर रोड स्थित कार्यालय में आयोजित एक बैठक में प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए रमेश ने कहा कि वह बिना समय सीमा के सुर्खियां बनाने में माहिर हैं। आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने की मांग करते हुए रमेश ने पूछा कि मोदी सरकार को ऐसा करने से कौन रोक रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे राहुल गांधी ने कल कहा, श्हेडलाइन तो दे दी, लेकिन डेडलाइन कहां है? हमारे प्रधानमंत्री बिना डेडलाइन के हेडलाइन देने में माहिर हैं। 2025–26 में गृह मंत्रालय में जनगणना आयुक्त कार्यालय, जिसे जाति जनगणना कराने की जिम्मेदारी दी गई है, को बजट में 575 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। लेकिन 24 दिसंबर 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय जनगणना के लिए 8254 करोड़ रुपए की जरूरत है। तो, उद्देश्य और मंशा क्या है? सिर्फ हेडलाइन? इस बात पर जोर देते हुए कि आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा की बाधा को हटाया जाना चाहिए, रमेश ने पूछा कि मोदी सरकार को ऐसा करने से कौन रोक रहा है।

दिल्ली सरकार मजदूरों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर राजधानी के करोल बाग में आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह में कहा कि दिल्ली सरकार मजदूरों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है श्रमिकों और उनके परिवार का सालाना स्वास्थ्य जांच करायेगी। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार श्रमिकों की आजीविका के लिए, दिल्ली आने वाले

लोगों के बेहतर जीवन और बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। श्रीमती गुप्ता ने इस मौके पर श्रमिकों के हित में बड़े फैसलों का भी एलान किया। उन्होंने कहा, " जब कोई मजदूर अपने गृहनगर से दिल्ली आता है, तो वह बहुत सारी उम्मीदें लेकर आता है। वह दिल्ली की व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और विकास का हिस्सा बन जाता है। आज मजदूर दिवस पर मैं दिल्ली के अपने सभी मजदूर भाइयों और बहनों से कहना चाहती हूं कि सरकार हमेशा आपके कल्याण और सुविधाओं के लिए खड़ी है। हमारी मजदूर बहनों के लिए यह चिंता का विषय है कि वे अपने बच्चों को छोड़कर रोजगार के लिए कहां जाएं? इसलिए हम दिल्ली में 500 शिशु गृह खोलेंगे।" मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, "हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे श्रमिक भाई–बहन आयुष्मान योजना के तहत तुरंत पंजीकृत हों और उन्हें इसका लाभ मिले। बेहतर सुविधाओं के लिए पूरी दिल्ली में 3000 वाटर कूलर लगाने का काम चल रहा है।

'सेनाओं का मनोबल न गिराएं'

पहलगाम अटैक से जुड़ी याचिका पर एससी ने सुनवाई से किया इनकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पिछले दिनों हुए आतंकवादी हमले की न्यायिक जांच की मांग संबंधी याचिका पर विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया। पहलगाम में पिछले माह (22 अप्रैल) को पर्यटकों पर हुए इस हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अधिवक्ता फतेश कुमार साहू और विक्की कुमार तथा एक अन्य व्यक्ति जुनैद मोहम्मद जुनैद की ओर से दायर याचिकाओं को सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने वाला बताते हुए खारिज कर दी और कई टिप्पणियां कीं। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, "यह सही समय नहीं है। यह महत्वपूर्ण समय है, जब हर नागरिक ने हाथ मिलाया है। ऐसी कोई प्रार्थना न करें, जिससे सुरक्षा बलों का मनोबल गिरेद्य। यह हमें स्वीकार्य नहीं है। मामले की संवेदनशीलता को देखें।"

न्यायालय ने पीठ के समक्ष वकील की ओर से इस जनहित याचिका का उल्लेख करने की कोशिश के दौरान ही इन टिप्पणियों के साथ याचिका पर सुनवाई करने से साफ तौर पर इनकार कर दिया। पीठ ने वकील से पूछा कि क्या वह याचिका पर बहस करना चाहते हैं। पीठ ने पूछा, "ऐसी जनहित याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदारी से काम करें। देश के प्रति भी आपका कुछ कर्तव्य है। क्या आप इस तरह से सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं? हमने (न्यायाधीशों ने) जांच की विशेषज्ञता कब हासिल की?" पीठ ने वकील से आगे पूछा कि उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश इस मामले की जांच कैसे करेंगे? पीठ ने कहा, "वे (न्यायाधीश) केवल निर्णय दे सकते हैं। हमें (इस मामले में) आदेश पारित करने के लिए न कहें। आप जहां जाना चाहते हैं, जाएं। बेहतर होगा कि आप अपना मामला वापस ले लें।" इसके बाद याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के बाहर पढ़ने वाले छात्रों के लिए सुरक्षा उपाय हो सकते हैं। इस पर पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता उच्च न्यायालय जा सकते हैं। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हालांकि कहा, "इसे उच्च न्यायालय न जाने दें।"

अजमेर के एक होटल में आग लगने से चार लोगों की मौत

अजमेर, एजेंसी। राजस्थान के अजमेर में गुरुवार सुबह एक होटल में आग लगने से एक बच्चे एवं एक महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य चार झुलस गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिग्गी बाजार में स्थित होटल नाज में सुबह अचानक आग लग गई और उसने विकराल रुप ले लिया। जिससे एक बच्चा, एक महिला और दो अन्य लोगों की मृत्यु हो गई जबकि एक महिला सहित चार लोग झुलसने से घायल हो गए जिन्हें जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के सामने आने के बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जिला कलक्टर लोक बंधु, पुलिस प्रशासन एवं जेएलएन मेडिकल कालेज अधीक्षक से दूरभाष पर बात करके घटना की जानकारी ली और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। श्री देवनानी ने इस हादसे के मृतकों के पार्थिव शरीर को परिजनों तक पहुंचाने एवं और नियमानुसार हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए। श्री देवनानी ने इस घटना की जांच के भी निर्देश दिए।

पहलगाम हमले के दोषियों को हर हाल में न्याय के कठघरे में लाएंगे : जयशंकर

नयी दिल्ली / वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से दो टूक शब्दों में कह दिया है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के अपराधियों, षड्यंत्रकारियों और उन्हें सहयोग देने वालों को न्याय के कठघरे में हर हाल में लाया जाएगा। इस पर श्री रुबियो ने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। डॉ. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से टेलीफोन

पर बात करने के बाद एक्स पर पोस्ट किया, "कल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। इसके अपराधियों, समर्थकों और योजनाकारों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।" उधर वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक बयान में कहा, "विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आज भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर से बात की। मंत्री ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के लिए अपना दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।" प्रवक्ता ने कहा कि श्री रुबियो ने भारत को तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

रामदेव किसी के वश में नहीं हैं, वह अपनी ही दुनिया में रहते हैं

शरबत जिहाद केस में हाईकोर्ट की टिप्पणी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को योग गुरु बाबा रामदेव को हमदर्द के रूह अफजा को निशाना बनाते हुए कथित तौर पर एक और वीडियो जारी करने के लिए फटकार

लगाई। इससे पहले दिए गए निर्देशों के बावजूद, उन्होंने कथित तौर पर हमदर्द के उत्पादों को लेकर विवादास्पद शरबत जिहाद टिप्पणी की थी। इससे पहले अदालत ने उन्हें हमदर्द के उत्पादों को लेकर भविष्य में कोई बयान जारी नहीं करने या वीडियो साझा नहीं करने का आदेश दिया था। योग गुरु की आलोचना करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि रामदेव का किसी पर नियंत्रण नहीं है और वह अपनी ही दुनिया में रहते हैं, तथा उन्हें प्रथम दृष्टया अपने पिछले आदेश की अवमानना मानते हुए पाया। न्यायमूर्ति अमित बंसल को बृहस्पतिवार को सूचित किया गया कि अदालत के 22 अप्रैल के निर्देशों के बावजूद रामदेव ने आपत्तिजनक बयान देते हुए एक वीडियो प्रसारित किया है।

इसके बाद उन्होंने कहा, ''पिछले आदेश के मद्देनजर, उनका हलफनामा और यह वीडियो प्रथम दृष्टया अवमानना के अंतर्गत आता है। मैं अब अवमानना नोटिस जारी करूंगा। हम उन्हें यहां बुला रहे हैं।''

प्रभावी संस्थानों के लिए करुणामय प्रशासन आवश्यक : सत्यार्थी

नयी दिल्ली, एजेंसी। नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने लोक प्रशासन में करुणामय शासन की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए कहा है कि सहानुभूति, गहन सुनवाई और नैतिक उत्तरदायिता की भावना पर आधारित शासन उत्तरदायी और प्रभावी संस्थानों के निर्माण के लिए आवश्यक है। श्री सत्यार्थी ने गुरुवार को जयपुर के बाल आश्रम में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक समाज की नैतिकता लगभग खत्म हो रही है। यह चिंता का विषय है।

उन्होंने शासन प्रणाली में कृतज्ञता और मानवीय संबंधों के नवीनीकरण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन में सहानुभूति और गहराई से सुनने की भावना होना आवश्यक है।

पहलगाम हमला: तीन अन्य स्थानों की आतंकियों ने की थी रेकी

बैसरन घाटी में दो दिन पहले से थे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों ने हमले के लिए पहलगाम में बैसरन घाटी के अलावा तीन अन्य स्थानों की भी रेकी की थी। यह बात राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में सामने आई है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि तीन अन्य स्थानों, अरु घाटी, एक मनोरंजन पार्क और बेताब घाटी पर हमला करने की उनकी योजना को वहां सुरक्षा बलों की मौजूदगी के कारण विफल कर दिया गया। सूत्रों ने यह भी बताया कि 22 अप्रैल को हुए हमले से दो दिन पहले आतंकवादी बैसरन घाटी में मौजूद थे, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई

थी। यह भी पता चला है कि चार ओवरग्राउंड वर्कर्स (व्ळॅ) ने आतंकवादियों को घटनास्थलों की रेकी करने में मदद की थी। पहलगाम आतंकी हमले की जांच आगे बढ़ने के साथ ही अधिकारियों ने अब तक करीब 20 व्ळॅ की पहचान कर ली है, जबकि कुछ को गिरफ्तार भी किया गया है। हमले के सिलसिले में कुल 186 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। 22 अप्रैल को हथियारबंद आतंकवादियों ने कश्मीर के ऐतिहासिक पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी करके दहशत फैला दी। हमले में मारे गए लोगों की पत्नियों और अन्य रिश्तेदारों ने बाद में मीडिया के सामने खुलासा किया कि आतंकवादियों ने पर्यटकों को गोली मारने से पहले उनके नाम और धर्म के बारे में पूछा।

अस्पताल परिसर में शरबत का वितरण

प्रयागराज। भीषण गर्मी को देखते हुए एसआरएन अस्पताल में पहुंच रहे जरूरतमंदों के लिए अस्पताल के पूर्व सुपरवाइजर विकास कुमार की ओर से बुधवार को इंतजाम किया गया। पूर्व

सुपरवाइजर व सुपरवाइजर महेंद्र यादव की अगुवाई में अस्पताल के साइकिल स्टैंड परिसर के सामने छाछ, बिस्कुट व शरबत का वितरण दूरदराज के क्षेत्रों आए लोगों के बीच हुआ। खासतौर से शरबत व छाछ लेने वालों की कतार लगी रही। वितरण की व्यवस्था में फूलचंद पटेल, मुरारी मिश्र, आत्म प्रकाश, ज्ञान तिवारी, शिवम चौरसिया, सुधांशु पांडेय, सोनू पटेल, निखिल पांडेय, आकाश द्विवेदी व सोनू चतुर्वेदी आदि विभागों के कर्मचारी शामिल रहे।

परीक्षा स्थगित किए जाने पर प्रतियोगी छात्रों में रोष

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने 14 व 15 मई को प्रस्तावित सहायक अध्यापक (टीजीटी) भर्ती की लिखित परीक्षा स्थगित कर दी है। अब 21–22 जुलाई को कराने के फैसले से प्रतियोगी छात्रों में सरकार व शिक्षा सेवा चयन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पर्याप्त तैयारी के अभाव में टीजीटी भर्ती परीक्षा को स्थगित किया गया है। युवा मंच के अर्जुन प्रसाद ने कहा कि बिना किसी वाजिब कारण टीजीटी परीक्षा टलने से अभ्यर्थियों को भारी निराशा हुई है।

दोनों शिक्षकों पर सजा का निर्णय लेंगी कुलपति

प्रयागराज। अंग्रेजी विभाग के तत्कालीन विभागाध्यक्ष और विभाग के एक शिक्षक के बीच हुई झड़प के मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। रिपोर्ट बुधवार को कार्य परिषद की बैठक में प्रस्तुत की गई। कार्यकारणी ने सर्वसम्मति से दोनों पक्षों के व्यवहार की निंदा की। जुर्माने की सिफारिश की गई है और सजा की प्रकृति का निर्णय कुलपति की ओर से लिया जाना है। हालांकि, सदन की ओर से अंग्रेजी विभाग के दोनों शिक्षकों के सभी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से पांच साल के लिए वापसी की पुरजोर सिफारिश की गई है और किसी भी अतिरिक्त सजा का निर्णय कुलपति को लेने की अनुमति दे दी गई। बैठक में कहा गया कि पहली बार विश्वविद्यालय विभिन्न स्रोतों जैसे स्व–वित्तपोषित पाठ्यक्रमों और बेहतर वित्तीय प्रबंधन से आंतरिक संसाधन सृजन के साथ लाभ में चल रहा है।

मनोविज्ञान विभाग के तीन शिक्षकों को कैश के तहत मिला प्रमोशन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मननोविज्ञान विभाग के लिए कैश के तहत पदोन्नति के लिए समिति की सिफारिशों के लिफाफे खोले गए। डॉ. चंद्रांशु सिन्हा, डॉ. संदीप आनंद और डॉ. संजय कुमार को एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति के लिए अनुमोदित किया। सदन को सूचित किया गया कि आंतरिक लेखा परीक्षक के साक्षात्कार के लिए कोई उम्मीदवार

उपस्थित नहीं हुआ था। वहीं, एक प्रोफेसर, आठ एसोसिएट प्रोफेसर, 45 असिस्टेंट प्रोफेसर, 6 गैर–शिक्षण कर्मचारियों को 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद स्थायी किया गया। जेके इंस्टीट्यूट के प्रो. आशीष खरे नियमित रजिस्ट्रार बनाए गए। प्रो. खरे इविवि के तीसरे शिक्षक हैं जो नियमित रजिस्ट्रार बनाए गए हैं। वह कार्यवाहक रजिस्ट्रार के तौर पर काम देख रहे थे। इससे पहले जेके इंस्टीट्यूट के प्रो. एनके शुक्ल और कॉमर्स विभाग के प्रो. जेएन मिश्र नियमित रजिस्ट्रार रह चुके हैं। केंद्रीय दर्जा मिलने के बाद विश्वविद्यालय को यह पांचवां नियमित रजिस्ट्रार मिला है। पहले फिरदोस वानी, प्रो. जेएन मिश्र, कर्नल हितेश लव, प्रो. एनके शुक्ल और प्रो. आशीष खरे।

99 फीसद अंक लाकर आईएससी में चमके शेखर, त्रयंबक और सार्थक

प्रयागराज। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) की ओर से बुधवार को इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आईएससी या 12वीं) और इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आईसीएसई या 10वीं) का परिणाम घोषित कर दिया गया। वैसे तो काउंसिल ने इस साल टॉपर की सूची जारी नहीं की, लेकिन स्कूलों से मिली सूचना के अनुसार सेंट जोसेफ कॉलेज के विज्ञान वर्ग में प्रखर कनौजिया, बीएचएस के विज्ञान वर्ग त्रयंबक द्विवेदी और सार्थक सिंह ने 99 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं में जिले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इसी प्रकार 10वीं में सेंट मेरी स्कूल की अनुष्का मलिक ने 99 फीसदी अंक प्राप्त कर चमक बिखेरी है।

सेंट जोसेफ कॉलेज के बारहवीं में प्रियांशु मुखर्जी ने 97. 75 प्रतिशत, संज्ञान सिंह ने 97.5 प्रतिशत, कामर्स वर्ग के कार्तिकेय शंकर ने 94 प्रतिश्त अंक के साथ चमक बिखेरी है। दसवीं में इसी विद्यालय के राजवीर सिंह बग्गा और आदित्य जायसवाल ने 98.6 प्रतिशत, अथर्व, सतव्य अग्रवाल, शिशिर कुमार ने 98 प्रतिशत और पार्थ सिंह ने 97.6 प्रतिशत अंक लाकर सभी को प्रभाविक किया। बारहवीं में सेंट मेरी कान्वेंट की निहारिका सिंह ने 98.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। इसी विद्यालय की वृंदा त्रिपाठी ने दसवीं में 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। दसवी में ही सेंट मेरी कान्वेंट स्कूल की शिंजिनी त्रिपाठी ने 98.2 प्रतिशत, वर्णिका राणा ने 97.8 प्रतिशत, कात्यायनी जायसवाल ने 97.6 प्रतिशत, हर्षिका सक्सेना, आकृति गुप्ता, कृतिका सिंह ने 97.4 प्रतिशत अंक के साथ प्रतिभा दिखाई।

अनदेखी से टूटे-बदहाल सारे उपकरण, असुरक्षित पार्क नहीं रहा पहली पसंद

- पार्क की सफाई नहीं होती है।
- बच्चों के झूले खराब हो गए हैं।
- पुलिया टूटकर गिर सकती है।
- पुस्तकालय क्यों बंद कर दिया।
- पीने के लिए पानी का प्रबंध नहीं।
- पूरे पार्क का जीर्णोद्धार कराया जाए।
- पार्क स्वच्छ रहे, नियमित देखरेख हो।
- झील का पानी बदले जाने की व्यवस्था हो।
- बच्चों के लिए नए झूले पर्याप्त संख्या में लगाएं।
- पार्क में बनाया गया पुस्तकालय खोला जाए।
- बच्चों के मनोरंजन के लिए पर्याप्त व्यवस्था हो।

प्रयागराज। हिंदू हॉस्टल के पास हाथी पार्क के नाम से मशहूर सुमित्रानंदन पंत उद्यान कभी शहरी बच्चों की पहली पसंद हुआ करता था। पार्क में हाथी की सूंड से स्लाइडिंग, पिंजरों में पक्षियों की चहचहाहट बच्चों के साथ बड़ों को भी आकर्षित करती थी। बच्चे अपने माता–पिता के साथ पार्क में आते और घंटों वक्त गुजारते। करोड़ों रुपये खर्च कर पार्क को और आकर्षक बनाया गया तो यहां बड़ों की भी भीड़ बढ़ी। एक वक्त था कि जब 1000 से 2000 के बीच लोग पार्क में आते थे। पार्क में जाने के लिए टिकट लेने वालों की लाइन लगती थी। पार्क में बैठने की जगह नहीं मिलती थी। अब यह पार्क न बच्चों को आकर्षित करता है और न ही बड़ों को। पार्क की बदहाली देख सभी ने धीरे–धीरे मुंह फेर लिया। अब पार्क में सन्नाटा पसरा रहता है।

हाथी पार्क के नाम से मशहूर पार्क में पक्षियों की चहचहाहट अब सुनाई नहीं पड़ती। 10 में सात पिंजरे खाली पड़े हैं। बतख, कबूतर पिंजरों में हैं, लेकिन इनकी देखरेख भी ठीक से नहीं होती। पार्क के पिंजरों में घूमते खरगोश कभी सभी को आकर्षित करते थे। अब खरगोश यहां के लिए इतिहास बन गए हैं। पार्क में हाथी की जिस सूंड से बच्चे स्लाइड करते थे, वह अब खतरनाक हो चुका है। स्लाइड के लिए सूंड में लगा फाइबर टूटने से बच्चों के कपड़े फट रहे हैं। झूलों पर बड़ों का कब्जा रहता है। हैंडपंप खराब होने के कारण पानी खरीदकर पीना पड़ता है।

पार्क में बनाई गई झील का पानी गंदा देख बच्चे और बड़े इसके आसपास नहीं जाना चाहते। झील में पैदल बोट खाली रहती है। पार्क में प्रवेश करते ही दायीं तरफ कूड़े का ढेर है। इसमें लगाई गई टाइल्स टूट रही है। छोटे–छोटे कार्यक्रम के लिए बनाया गया ओपेन एयर मंच टूट रहा है। मंच पर घास की कटाई नहीं होती। जानवरों की बनाई गई कृत्रिम आकृतियां नष्ट हो रही हैं। शाम को लाइट नहीं जलती। पार्क का सीसीटीवी कैमरा खराब हो चुका है। पार्क की बदहाली देखकर यहां आने वाले बच्चे भी अब दुखी होते हैं। कुछ झूले यहां प्राइवेट एजेंसी के माध्यम से लगाए गए हैं, जिन पर झूलने के लिए बच्चों को 20–20 रुपये शुल्क देना पड़ता है। पार्क के पुराने झूले खराब होने पर बच्चे शुल्क देकर ही झूलों का आनंद लेते हैं

जब देखरेख नहीं तो क्यों लेते हैं शुल्क

बच्चों के साथ आने वाले अभिभावकों ने बताया कि अब यह पार्क पहले जैसा नहीं रहा। यहां आते हैं, लेकिन बच्चों को कुछ भी आकर्षित नहीं करता। झील की सफाई नहीं होती। झील के ऊपर बनी पुलिया टूट

रही है। टॉयलेट गंदा रहता है। फिर भी 10 रुपये का टिकट लेने के बाद ही प्रवेश मिलता है। जब देखरेख नहीं कर सकते तो ध10 रुपये शुल्क क्यों लेते हैं। आखिर इसमें ऐसा क्या बचा है जिसके लिए लोग 10 रुपये दें। एक परिवार 10 साल बाद इस पार्क में आने के बाद अधिक मायूस हुआ। परिवार के सदस्यों ने बताया कि पहले तो स्थिति ज्यादा अच्छी थी। कम से कम पिंजरों में पक्षी और खरगोश बच्चों को बहुत अच्छे लगते थे अब वह भी नहीं रहे। पार्क में आने वाले सभी ने कहा कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने पार्क को लावारिस छोड़ दिया है। इस पार्क से बेहतर तो मोहल्लों के पार्क हैं, जहां कम से कम सफाई तो हो रही है।

पार्क की लाइब्रेरी वर्षों से बंद

सुमित्रानंदन पंत उद्यान (हाथी पार्क) में पहले एक पुस्तकालय था। इसमें बच्चों के लिए पढ़ने की किताबें थीं। सुमित्रा नंदन पंत के नाम पर पुस्तकालय के लिए नया भवन बनाया गया। पुस्तकालय में बच्चों के साथ अभिभावकों की भीड़ लगती थी। अब इस पुस्तकालय के गेट पर ताला लटक रहा है। पूछने पर पार्क के कर्मचारियों ने बताया कि पुस्तकालय वर्षों से बंद है। कर्मचारियों के मुताबिक पहले एक महिला पुस्तकालय का संचालन करती थीं, तब यह नियमित खुलता था। महिला से पुस्तकालय के संचालन का अधिकाकर छीन लिया गया। तभी से भवन में ताला बंद है। पुस्तकालय में रखी किताबों का भी पता नहीं।

दो दशक पहले पार्क में मरे मिले थे खरगोश

सुमित्रानंदन पंत उद्यान में खरगोश आकर्षण का केंद्र थे। खरगोशों को देखने के लिए बच्चे पार्क में जाते। लगभग दो दशक पहले यहां कई खरगोश मरे पाए गए। कुछ खरगोश गायब हो गए। बताया जाता है कि यहां से खरगोश चोरी होने लगे तो धीरे–धीरे प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने पार्क से खरगोशों को हटा दिया। पार्क के पिंजरों में रखे गए पक्षियों की देखभाल की जिम्मेदारी किसी व्यक्ति को दी गई है। पक्षियों की देखभाल पर अब हर कोई सवाल खड़ा कर रहा है।

कभी यह पार्क खूबसूरत हुआ करता था। यहां की चहल–पहल अच्छी लगती थी। जिम्मेदारों की बेपरवाही से पार्क बदहाल हो गया है। पार्क में कोई आना नहीं चाहता।

हाथी पार्क में बच्चे आकर बहुत खुश होते थे। यहां पक्षियों को देखना, झूलों पर झूलना, झील में बोटिंग अच्छी लगती थी। अब सब बेकार होता जा रहा है।

पार्क की सुंदरता गायब हो गई है। पार्क को देखकर ही लगता है कि इसकी देखभाल नहीं होती। देखरेख के अभाव में सब नष्ट हो रहा है।

पार्क की देखभाल नहीं हो रही है। पार्क के झूलों पर चढ़ने से डर लगता है। हाथी के स्लाइड से उतरने का मन नहीं करता। गंदगी बहुत है।

पहले यह पार्क बहुत खूबसूरत था। मरम्मत के बाद देखरेख में लापरवाही के कारण पार्क बदहाल होने लगा है। पैसा देकर झूला झूलना पड़ता है। झील का पानी गंदा है।

झील का पानी गंदा है। पैडल बोट पर घूमने की इच्छा ही नहीं होती। लाइब्रेरी बंद रहती है। बस कभी–कभी घूमने के लिए पार्क में आते हैं।

हाथी पार्क की खूबसूरती अब पहले जैसी नहीं रही। इसकी देखभाल नहीं हो रही है। यही हाल रहा तो यहां कोई नहीं आएगा। बच्चे भी नहीं।

सुंदर पार्क को बर्बाद होते देख रहे हैं। पार्क में पहले आकर बैठना अच्छा लगता था। अब ठीक से सफाई नहीं होती। जिम्मेदारों को सिर्फ शुल्क लेने से मतलब रह गया है।

कई साल बाद पार्क में आए। बाहर से तो अच्छा लगता है। अंदर रखरखाव ठीक से नहीं हो रहा। बच्चों की पसंद के पक्षी अब यहां नहीं हैं।

पार्क की ठीक से देखरेख और सफाई नहीं होती है। टॉयलेट गंदा है। पिंजरों में कई तरह के पक्षी थे। अब नहीं हैं तो बच्चे भी यहां कम दिखाई पड़ते हैं।

परिवार के साथ पार्क में घूमने आते रहते हैं। पार्क अच्छा है, लेकिन इसकी देखभाल सही तरीके से नहीं हो रही है। पिंजरे खाली हैं।

कबूतर दिखाई नहीं दे रहे हैं। हाथी की स्लाइडिंग करने पर कपड़े फट जाते हैं। झील का पानी गंदा है। बोट अब अच्छी नहीं लगती।

पार्क में जाने के लिए 10 रुपये का टिकट क्यों ले रहे हैं। इसमें अब कुछ नहीं बचा। मोहल्लों के पार्क से भी अधिक हालत खराब है।

कभी–कभी घूमने चले आते हैं। पहले जैसा हाथी पार्क नहीं रहा है। शहर स्मार्ट बन रहा है और हाथी पार्क खत्म होने की कगार पर है।

पार्क की हालत खस्ता हो रही है। पहले यहां भीड़ लगी रहती थी। अब सन्नाटा रहता है। बच्चों के पार्क में बच्चे ही दिखाई नहीं पड़ते हैं।

कभी सुनते थे कि हाथी पार्क सभी के आकर्षण का केंद्र बनेगा। महाकुम्भ में अरबों रुपये खर्च किए गए। इस पार्क को भी संवार देते तो अच्छा होता।

पार्क के झूले खराब हो चुके हैं। सफाई नहीं होती। पिंजरे खाली हैं। पार्क में बैठने के लिए 10 रुपये का टिकट लेना पड़ता है।

बच्चों का पार्क है तो उनके लिए कुछ होना भी चाहिए। पार्क में पहले जो था, वो भी खराब हो रहा है। झील का पानी गंदा है। पुलिया टूट रही है, सफाई तक नहीं होती।

पार्क की सफाई नहीं हो रही। टॉयलेट गंदा है। झील का पानी बदला नहीं जाता तो बच्चे बोटिंग से कतराते हैं। झील पर बनी पुलिया टूट रही है।

हाथी पार्क की स्थिति की ऐसी कोई जानकारी नहीं है। फिर भी पार्क में जाने वाले वहां की स्थिति पर शिकायत कर रहे हैं तो उसे ठीक किया जाएगा। प्रभारी को पार्क की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए कहेंगे।

–अजीत कुमार सिंह, सचिव, प्रयागराज विकास प्राधिकरण

प्रयागराज जंक्शन पर लावारिस फेंकी बच्ची को मिले माता–पिता, यूपी से अमेरिका गई काजल

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर नवंबर 2023 में अनाथ बच्ची लावारिस हलात में मिली। उसे खुल्दाबाद स्थित शिशु गृह लाया गया। जब बच्ची आई थी तो उसकी हालत बहुत खराब थी।

दो साल पहले प्रयागराज जंक्शन पर लावारिस हालत में मिली नन्हीं काजल (बदला हुआ नाम) को अब शिशु गृह की तंग दीवारों से मुक्ति मिल गई है। काजल अब अमेरिका में रहेगी और वहीं जीवन गुजारेगी। दो दिन पहले ही उसे गोद लेने के लिए वहां से दंपती प्रयागराज आए और गोद लेकर यहां से रवाना हो गए। प्रयागराज जंक्शन पर नवंबर 2023 में अनाथ बच्ची लावारिस हलात में मिली। उसे खुल्दाबाद स्थित शिशु गृह लाया गया। जब बच्ची आई थी तो उसकी हालत बहुत खराब थी।

कई दिनों तक बच्ची को चिल्ड्रेन अस्पताल में भर्ती रखा गया और जब ठीक हुई तब से

यहीं रह रही थी। पिछले दिनों उसकी तस्वीर कारा के पोर्टल पर अपलोड की तो कैलिफोर्निया के साफ्टवेयर इंजीनियर ने गोद लेने के लिए आवेदन किया। कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद उसे सोमवार को गोद देने की प्रक्रिया को पूरा किया गया। अब काजल अपने माता–पिता के साथ वहां चली गई है।

वहीं, 2022 में बलिया से प्रयागराज भेजे गए छह दिन के इशान (बदला हुआ नाम) को जब यहां लाया गया तो मालूम चला कि उसके दिल में छेद है। चिल्ड्रेन अस्पताल में उपचार हुआ। समय के साथ दिल में छेद भी ठीक हो गया। पिछले दिनों उसे इटली से आए दंपती ने गोद लिया। बीते एक साल में जिला प्रोबेशन कार्यालय से कुल 44 बच्चों को गोद देने की प्रक्रिया पूरी हुई है। जिसमें चार बच्चे विदेश में रहते हैं।

जिला प्रोबेशन अधिकारी, सर्वजीत सिंह ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि दो दिन पहले ही नन्हीं बच्ची को कैलिफोर्निया से लेने माता–पिता आए थे। गोद दिलाने की ! नेकी प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसी साल ऐसे बच्चे को इटली के दंपती ने गोद लिया, जिसके दिल में छेद था। इस साल 44 बच्चों को गोद दिलाने की प्रक्रिया हुई है।

शंकरगढ़ रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू

प्रयागराज। नगर पंचायत शंकरगढ़ के रानीगंज रेलवे फाटक पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। महाकुम्भ की अवधि में ब्रिज का कार्य पूरा ना होने की वजह से इसका कार्य मार्च के अंतिम सप्ताह से शुरू हुआ। जिसे उप्र राज्य सेतु निगम और उत्तर मध्य रेलवे की ओर से संयुक्त रूप से बनाया जा रहा है। दोनों विभाग ने इसे पूरा करने की अंतिम समय सीमा जुलाई 2026 तक निर्धारित कर रखी है। नारीबारी–शंकरगढ़ मार्ग पर स्थित आरओबी समपार संख्या 415–ए रेलवे फाटक पर बन रहा है। जिसकी कुल लंबाई 866.70 मीटर है और इसके निर्माण में सेतु निगम व उत्तर मध्य रेलवे दोनों शामिल हैं। फाटक के ऊपरी हिस्से, जिसकी लंबाई 57 मीटर है उसका निर्माण रेलवे करेगा। जबकि बाकी का कार्य सेतु निगम कर रहा है। इसके लिए रेलवे को 17 करोड़ रुपये और निगम को 44 करोड़ 54 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है। ब्रिज के बनने से न केवल शंकरगढ़ बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों को फाटक पर लगने वाले भीषण जाम से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही प्रयागराज–नैनी होते हुए मुंबई तक जाने वाली दर्जनों ट्रेनों की वजह से फाटक के जाम से भी हमेशा के लिए राहत मिल जाएगी। निगम के परियोजना प्रबंधक रोहित मिश्र ने बताया कि ब्रिज का निर्माण कार्य जनवरी से ही शुरू किया जाना था लेकिन महाकुम्भ में कार्य गति नहीं पकड़ पाता। इसलिए मार्च से हमारे हिस्से का कार्य शुरू कराया गया है। जिसे एक वर्ष के भीतर पूरा किया जाएगा। उसके बाद रेलवे फाटक का गर्डर रखने का कार्य रेलवे को कराना है।

म्युनिसिपल बांड से नगर निगम को मिले 50 करोड़

प्रयागराज। प्रयागराज में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल निर्माण के लिए नगर निगम ने म्युनिसिपल बांड के माध्यम से 50 करोड़ रुपये जुटा लिए। प्रयागराज नगर निगम के म्युनिसिपल बांड की बुधवार को लखनऊ स्थित निकाय निदेशालय में बिड खोली गई। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात की देखरेख में मयुनिसिपल बांड के प्रति बिडरों में जबर्दस्त उत्साह दिखाई पड़ा। डबल ए क्रेडिट वाले म्युनिसिपल बांड के लिए 23 कंपनी और संस्थाओं ने बोली लगाई। इलेक्ट्रॉनिक मंच के माध्यम से लगाई गई बोली कुल 221 करोड़ रुपये की बोली लगी। पांच बिडरों ने कम ब्याज पर बोली लगाई, जिसे स्वीकार कर ली गई।

नगर निगम के मुख्य वित्त

अधिकारी आरके शर्मा ने बताया कि म्युनिसिपल बांड के बदले मिली राशि पर नगर निगम को 8.07 फीसदी सालाना ब्याज देना होगा। उन्होंने ने बताया कि प्रदेश में लखनऊ, गाजियाबाद और आगरा ने म्युनिसिपल बांड जारी किया। सबसे कम प्रयागराज नगर निगम को ब्याज देना होगा। आगरा नगर निगम के म्युनिसिपल बांड के बदले 8.15 फीसदी ब्याद देना होगा। बांड के बदले मिली राशि दो दिन में नगर निगम के खाते में हस्तांतरित होगी। बिड के दौरान नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, विशेष सचिव नगर विकास अरुण प्रकाश, अनु सचिव मोहममद वासिफ, बांड कंसलटेंट अनुराग अरुण, मर्चेंट बैंकर वैभव जैन आदि मौजूद रहे। इसी वर्ष महाकुम्भ में 22 जनवरी को प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल समूह ने प्रयागराज के साथ वाराणसी और आगरा नगर निगम को म्युनिसिपल बांड जारी करने की स्वीकृति दी थी। इसके बाद म्युनिसिपल बांड का प्रस्ताव स्वीकृति के लिए सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) के पास भेजा। सेबी से हरी झंडी मिलने के बाद बांड जारी करने का निर्णय लिया गया। बांड से मिलने वाली राशि से नगर निगम नैनी में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। अस्पताल का संचालन ट्रिपल पी मॉडल पर होगा।

सपा के सांसद को मिल रही धमकी के खिलाफ किया प्रदर्शन

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के महासचिव और सांसद रामजी लाल सुमन को कथित तौर पर मिल रही धमकी के खिलाफ पार्टी के विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में दिया। ज्ञापन में सपाइयों ने करणी सेना पर धमकी देने का आरोप लगाया। ज्ञापन देने के बाद पार्टी के जिलाध्यक्ष (गंगापार) अनिल यादव ने कहा कि प्रदेश में जनता का उतपीड़न, हत्या, लूट, बलात्कार जैसी घटनाएं हो रही है। करणी सेना की ओर से सपा के सांसद पर हमला प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। पार्टी के महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन ने कहा कि प्रदेश में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए का नारा देकर समाज के शोषित, पीड़ित वर्गों के सम्मान एवं स्वाभिमान की लड़ाई लड़ी जा रही हैं। इसको समाज के प्रभुत्व वादी विचारधारा के लोग बर्दास्त नहीं कर पा रहे हैं। विधायक विजमा यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। विधायक संदीप पटेल, हाकिम लाल बिन्द, गीता पासी ने कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरा। प्रदर्शन और ज्ञापन देने वालों में लल्लन राय, विधायक गीता पासी, वासुदेव यादव, संदीप यादव, नरेन्द्र सिंह, धर्मराज पटेल, मुजतबा सिद्दीकी, अमर नाथ मौर्य, हाजी परवेज अहमद, आदि मौजूद रहे।

रामजी लाल सुमन व पीडीए पर हमलों के विरुद्ध सपा का धरना प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

सड़कों पर निकले सपाइयों ने करनी सेना पर की सख्त कार्यवाही की मांग

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर लगातार हमले तथा पीडीए पर अत्याचारों के विरुद्ध समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर समाजवादी पार्टी मुजफ्फरनगर द्वारा प्रदर्शन करते हुए धरने पश्चात महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की गई।

समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट के नेतृत्व में इकट्ठा हुए सैकड़ो सपा नेताओं तथा पदाधिकारीयो कार्यकर्ताओ ने महावीर चौक समाजवादी पार्टी कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय तक प्रदर्शन व नारेबाजी करतेहुए मुख्यालय पर धरना पश्चात राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर को ज्ञापन सौंपा धरने को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट ने कहा की आए दिन जनता के उत्पीड़न हत्या लूट महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार अराजकता की घटना आम हो चुकी है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। अपराधियों के हौसले लगातार बढ़े हुए हैं जिसके चलते ही समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर अराजकता की पहचान करणी सेना द्वारा हमले तथा हत्या का खुलेआम ऐलान किया जाना तथा करनी सेना पर कोई कार्रवाई न होना करनी कार्रवाई न होना भाजपा सरकार का कानून व्यवस्था पर अंकुश ने होना दर्शाता है। उन्होंने पहलगाम में आतंकी घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए सभी दल सरकार के साथ हैं लेकिन फिर भी करते हुए हमलावरों पर सख्त कार्यवाही की मांग की। चरथावल विधानसभा से समाजवादी पार्टी विधायक पंकज मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी सांसद रामजीलाल सुमन पर लगातार हमला भाजपा सरकार की विफलता को दर्शाने के लिए

सेना को भाजपा का संरक्षण दर्शाता है।

समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय महासचिव तथा मुजफ्फरनगर लोकसभा सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा कि सांसद रामजीलाल सुमन पर हमला करने वाले अपराधिक तत्वों पर सख्त आतंकियों पर कार्रवाई के बजाय देश में इस घटना को लेकर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की घटनाएं भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने रामजीलाल सुमन तथा दलितों पर हो रहे अत्याचार को तत्काल रोकने की मांग काफी है उन्होंने कानून हाथ में लेकर रामजीलाल सुमन की हत्या करने का ऐलान करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए भाजपा सरकार मैं पीडीए पर बढ़ रहे अत्याचारों की निंदा करते हुए इनको रोकने की मांग की।

महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने पश्चात समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर ही पहलगाम आतंकी घटना में मारे गए लोगों को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

धरने का संचालन जिला महासचिव चौधरी विकिल गोल्डी अहलावत द्वारा किया गया। धरने को समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष पुष्पेंद्र त्यागी बॉबी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार यादव प्रदेश सचिव विनय पाल सिंह प्रदेश सचिव चौधरी इलम सिंह गुर्जर प्रदेश सचिव ब्रजराज सैनी पूर्व जिला अध्यक्ष श्यामलाल बच्ची सैनी पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र सैनी जिला उपाध्यक्ष सोमपाल सिंह कोरी धर्मेंद्र सिंह पवार आमिर कासिम एडवोकेट पवन बंसल सपा कोषाध्यक्ष सैयद अली अब्बास काजमी जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन पूर्व लोकसभा प्रत्याशी हाथरस जसवीर वाल्मीकि, विधानसभा अध्यक्ष डॉ अविनाश कपिल सादिक चौहान अकरम खान सत्यवीर त्यागी सत्यदेव शर्मा प्रदेश सदस्य धनवीर कश्यप तहसीन मंसूरी सपा नेता सत्येंद्र पाल बालमुकुंद ग्रेड महानगर अध्यक्ष महिला सभा हिमानी सिंह सपा नेता रविकांत त्यागी इमलक प्रधान मुलायम सिंह यादव यूथ बिग्रेड जिला अध्यक्ष राशिद मलिक छात्र सभा जिला अध्यक्ष कुंवर विश्वास मजदूर सभा जिला अध्यक्ष नासिर राणा महानगर अध्यक्ष छात्र सभा नदीम मलिक महानगर अध्यक्ष अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ तरुण सौदे एडवोकेट सभासद सत्तार मंसूरी हसीब राणा नौशाद कुरेशी पहलवान सुंदर सिंह शहजाद चीकू सपा नेता रमेश चंद शर्मा हाजी मूसा डॉक्टर इसरार अल्वी सलमान त्यागी हनीफ इदरीसी ऐश मोहम्मद मेवाती चौधरी अजय कुमार हाजी इकबाल पंकज सैनी हाजी इकबाल आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से चौधरी यशपाल सिंह हाजी गुफरान तेवड़ा श्याम सुंदर जाउल चौधरी, शादाब राणा यामीन मंसूरी हुसैन राणा गजेंद्र सिंह गुर्जर वकीला बेगम, इरफान मलिक प्रदीप डबास शहजाद राणा राजू यादव डॉक्टर अली शेर अंसारी डॉ हनीफ अंसारी एडवोकेट फरमान अंसारी राजू यादव सहित अनेक कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

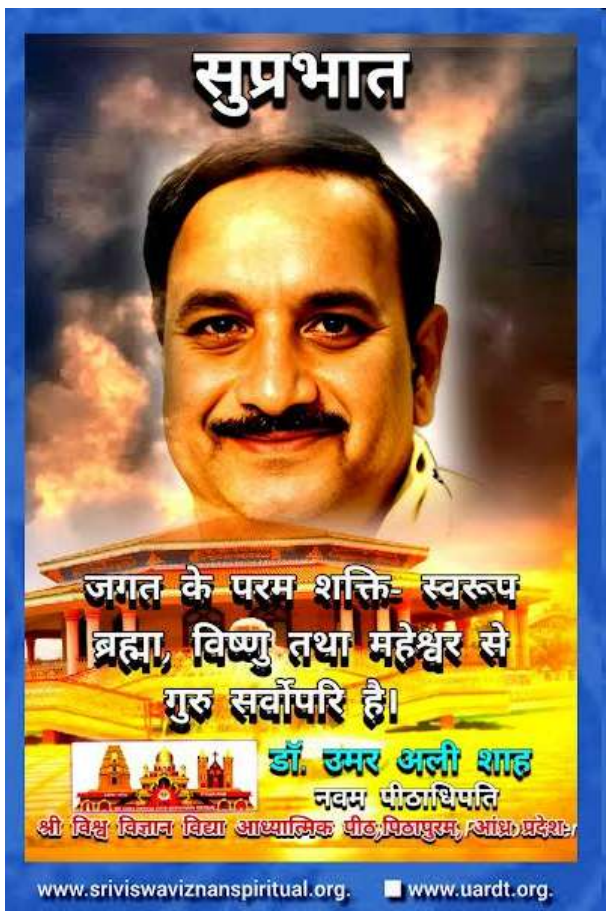

जीने का विज्ञान

(कुण्डलिया)

सरिता मीठा नीर ले,गईं सिंधु के पास।
लेकिन सागर का नहीं,जीत सकी विश्वास।
जीत सकी विश्वास, नीर दे अपना सारा।
बदला नहीं स्वभाव, रहा वह खारा खारा।
सुन लो कहें प्रदीप, न समझो इसको कविता।।
क्या है यह संसार, बताती मीठी सरिता।।

जिसने जीवन में भरा,जीने का विज्ञान।
जाने क्यों वह ढूँढता,अपनी निज पहचान।
अपनी निज पहचान,विमल नदियों के माफ़िक।
जिसका मीठा नीर,कभी लगता था खालिक।
सुन लो कहें प्रदीप, जमाना देखा उसने।
हुआ तभी से मौन,बताया था यह जिसने।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भीषण गर्मी के दृष्टिगत एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी ने किया गौ आश्रय स्थलो का निरीक्षण

मुज़फ्फरनगर। एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी जोकि हमेशा की तरह आज भी अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर रही थी जनसुनवाई करने के उपरांत आज करीब दोपहर 02रू30 बजे एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी ने भीषण गर्मी के दृष्टिगत खतौली नगर पालिका में बनी गौशाला, नावला

गौशाला, तिगाई गौशाला आदि का उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी श्री जितेंद्र कुमार के साथ स्थलीय निरीक्षण किया जिसमें उनके द्वारा वहां पर उपलब्ध चारे, भूसा, चोकर आदि के स्टॉक का निरीक्षण किया गया, गौ आश्रय स्थल पर तैनात कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया।

गोवंश को भीषण गर्मी से बचाव हेतु एसडीएम खतौली द्वारा वहां पर उपस्थित केयरटेकर को सभी गोवंश पर पानी का छिड़काव (फोगिंग) व नियमित रूप से भूसे के साथ चोकर आदि व हरा चारा मिलाकर देने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। एसडीएम खतौली ने उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को समय समय पर गोवंश के स्वास्थ्य परीक्षण करने के भी निर्देश दिए। केयरटेकर को गो आश्रय स्थल में उपस्थित सभी गोवंश की अच्छे से देखभाल तथा साफ सफाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

आंदोलन (ज्ञापन) विपक्ष का अहम हिस्सा: रविन्द्र प्रधान जोगी

शामली स– समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव के आह्वान सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के निर्देश पर उत्तर प्रदेश जिला मुख्यालो पर सपा नेताओं द्वारा रामजीलाल सुमन सपा सांसद की सुरक्षा हेतु महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार के नाम ज्ञापन पत्र दिया, जिसमे जनपद शामली में पिछड़ा वर्ग

प्रकोष्ठ की ओर से रविन्द्र प्रधान जोगी (प्रदेश उपाध्यक्ष)के नेतृत्व में नगर अध्यक्ष जलालाबाद मो.हम्माद द्वारा उपजिलाधिकारी एस. डी.एम हामिद अख्तर को ज्ञापन पत्र दिया, ज्ञापन पत्र में 27 अप्रेल की घटना जिसमे सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर हाइवे में टायर फेकने से दर्जनों गाड़ियों का दुर्घटना ग्रस्त हो जाना, एवं करणी सेना द्वारा शोशल मीडिया पर भविष्य में अंजाम भुगतने की धमकी देना,जिससे पिछड़ा दलित मुस्लिम समाज की एकता में करणी सेना जैसे संघटनो से नफ़रती सन्देश फैले इससे पहले महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रतिबंध (रोक)लगाई जाये एवं संघटन की मान्यता रद्द की जाये, सपा सांसद की जानमाल हेतु भविष्य में कोई अप्रिय घटना न घटे उनको+सुरक्षा मुहैया कराई जाई, सपा नेता रविन्द्र प्रधान जोगी ने कहा की आंदोलन सरकार को विपक्ष द्वारा जगाने का कार्य करता है, जो की विपक्ष की अहम राजनैतिक हिस्सा होता है,साथ रहें मो. हम्माद,डा. अनुज सैनी, गौरव जोगी, अंजू एवं दिलबहार मनिहार!!

जाति और धर्म से पहले राष्ट्रधर्म निभायें: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

–राष्ट्रीय सामाजिक संस्था ने शामली रोड पर किया सामूहिक राष्ट्रगान, पहलगाम के शहीद पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के द्वारा अपने मासिक सामूहिक राष्ट्रगान अभियान की कड़ी में गुरूवार को शामली रोड पर स्थित ग्रीन फील्ड स्कूल पर सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन किया गया। इस दौरान पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को याद करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई और समाज से जाति व धर्म से पहले देश के लिए खड़े होने की अपील की गई।

इस अवसर पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि आज का सामूहिक मासिक राष्ट्रगान पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए पर्यटकों को समर्पित किया गया है। इन शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च भी निकाला गया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के सहारे हमने यही संदेश देने का काम किया है कि जाति और धर्म से पहले हमारे लिए हमारा देश है और युवाओं को देश हित और समाज हित में अपने योगदान के लिए आगे आकर अपना सर्वसहयोग करने के लिए प्रेरित भी किया गया है। प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि आज पहलगाम हमले को लेकर देश में राजनीति भी खूब हो रही है, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट होकर केन्द्र सरकार के साथ खड़ा है, ऐसे में देश का युवा वर्ग राजनीति

में न उलझे और समाज में भाईचारा तथा एकजुटता बनाने का काम करे। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा करने का काम सरकारों का है, कहीं न कहीं इसमें चूक हुई है, ऐसे में हमारी मांग है कि सरकार आंतरिक सुरक्षा कवच को भी मजबूत करते हुए आतंकी घटना के लिए दोषियों को मुंह तोड़ जवाब देकर ऐसी कार्यवाही करे कि पूरा देश इस पर गर्व करे और आतंकवाद को पालने वालों को भी एक करारा सबक मिल सके।

सुरेन्द्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि हम जिस देश में रहकर जीवन जी रहे हैं, तो हम सभी का यह कर्तव्य है कि जाति–धर्म से पहले राष्ट्रधर्म का पालन किया जाये।

राष्ट्रवाद की भावना को जागृत करने के लिए ही लगातार स्कूल में अनेकानेक देशभक्ति के कार्यक्रम होते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारत लोक सेवक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केपी चौहान, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के फैजुर रहमान, सुरेन्द्र पाल सिंह आर्य, सतपाल सिंह के अलावा पुलिस और प्रशासन के साथ ही क्षेत्रीय लोगों का भरपूर सहयोग मिला।

श्रम विभाग द्वारा मुजफ्फरनगर के सदर ब्लॉक प्रांगण में मनाया गया मजदूर दिवस

–इस अवसर पर मजदूरों को पका पहनकर किया गया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। श्रम विभाग द्वारा मुजफ्फरनगर के सदर ब्लॉक प्रांगण में मनाया गया मजदूर दिवस कार्यक्रम कार्यक्रम में मजदूर परिवार कल्याण समिति एवं मजदूरों के अन्य संगठनों से जुड़े हुए मजदूर सम्मिलित हुए कार्यक्रम में श्रम विभाग के सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह व श्रम परिवर्तन अधिकारी विंध्याचल शुक्ला, शालू राणा, तथा बालेश्वर सिंह के द्वारा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और सरकार की योजनाओं का पात्र व्यक्तियों तक किस प्रकार से उनका समुचित लाभ प्राप्त हो सके उसके विषय में भी जानकारी दी गई और सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह नए सभी देशवासियों को मजदूर दिवस की बहुत–बहुत हार्दिक शुभकामनाएं दी

मजदूर दिवस के अवसर पर सामूहिक रूप से मजदूरों को पटका पहनकर सम्मानित किया गया वही कार्यक्रम में उपस्थित सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह, श्रम प्रवर्तन अधिकारी शालू राणा, विंध्याचल शुक्ला, व बालेश्वर सिंह तथा बंधुआ मजदूर सतर्कता समिति श्रम विभाग के सदस्य अमित कुमार गौतम, मीनाक्षी गुप्ता, संतोष देवी, आदि को बुके भेंट कर बहुत स्वागत किया गया कार्यक्रम में सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह, श्रम प्रवर्तन अधिकारी शालू राणा, विंध्याचल शुक्ला, बालेश्वर सिंह, श्रम विभाग में कार्यरत अशोक कुमार एवं अन्य कर्मचारी गण, बंधुआ मजदूर सतर्कता समिति श्रम विभाग के सदस्य अमित कुमार गौतम, मीनाक्षी गुप्ता, संतोष देवी, बाबू जगजीवन राम समाज सेवा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार मजदूर परिवार कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार पाल, प्रदेश उपाध्यक्ष सुबोध कुमार दिवाकर,व हरवीर सिंह, जसवीर सिंह, भारी संख्या में मनरेगा मजदूर भट्ठा मजदूर व भवन निर्माण मजदूर उपस्थित रहे।

शादी समारोह मे डीजे बजने को दूसरे सम्प्रदाय के परिवार ने रुकवाया

भोपा। गांव नंगला बुजुर्ग मे प्रजापति समाज की युवती की शादी समारोह मे बज रहे डी जे का विरोध कर मुस्लिम परिवार के सदस्यों ने जबरदस्ती बंद कराने का प्रयास किया। जिसके बाद हंगामा खड़ा हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी की पीड़ित ने मारपीट का आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साम्प्रदायिक तनाव के दृष्टिगत पुलिस को तैनात किया गया है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नगला बुजुर्ग नया गांव में वेदपाल प्रजापति की पुत्री की बेबी रानी की बारात अजय कुमार निवासी शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव कुटबी से आई हुई थी।घर की संकरी गली से बाहर पूर्व प्रधान जानू के खाली प्लाट मे टेंट लगा था और पास ही डीजे बज रहा था की पड़ोस के ही एक मुस्लिम परिवार के सदस्यों ने डी जे बजने का विरोध करना शुरू कर दिया। तथा तैश मे आकर बज रहे डी जे के कॉलम को आरोपी रफी द्वारा फेंक दिया गया। जिसके बाद हंगामा खड़ा हो गया। आरोप है की ज़बरदस्ती डी जे बंद

कराने वालों ने मारपीट शुरू कर दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत करते हुए।

घटना की जानकारी की। पीड़ित वेदपाल प्रजापति ने पड़ोस के तीन व्यक्तियों रफी, नसीम, रईस खिलाफ डी जे फेंकने व मारपीट करने तथा बारात न चढ़ने देने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।वहीं वेदपाल के पुत्र राहुल प्रजापति ने बताया की गुरुवार की सुबह डी को बजाने की तैयारी की जा थी की पडोस के ही व्यक्तियों ने डी जे बजाने का विरोध करंते डी जे का सामान उठाकर भेंक दिया। वहां मौजूद भाजपा ओ बी सी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अनुज प्रजापति ने घटना पर भारी रोष प्रकट किया।पीड़ित वेदपाल ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्राधिकारी भोपा डॉ. रवि शंकर मिश्रा ने बताया की नंगला बुजुर्ग मे वेदपाल प्रजापति की पुत्री के वैवाहिक कार्यक्रम आयोजन किया गया था। जिसमें पड़ोसी द्वारा व्यवधान उतपन्न किये जाने की सूचना मिली थी पीड़ित से तहरीर लेकर सुसंगत धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया की तीन भाइयो रफी, रईस व नसीम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेंट मेरिस कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा पारिज़ात अनंग को मिला 93 फीसद अंक

प्रयागराज। सेंट मेरिस कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा पारिज़ात अनंग को आई.एस. सी. के 12वीं के परीक्षा में मिला 93ः

अंक प्राप्त किया इसके पहले 10 वी के परीक्षा में में भी पारिजात ने अच्छा अंक प्राप्त किया था अच्छे मार्क्स पाने पर उनके पिता अनंग कुमार जो कि हाईकोर्ट के प्रोटोकॉल सेक्शन में कार्यरत है रिजल्ट आने पर काफी उत्साहित हैं और माता श्रीमती रीना जी को बहुत खुशी हैस उन्होंने कहा कि मेरी बेटी पर हमें गर्व है साथ ही स्कूल सभी साथियों और संबंधियों ने पारिज़ात अनंग को ढेर सारी बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

जन आक्रोश रैली मैं शामिल होने के लिए सभी व्यापारियों ने बाजार बंद करने की घोषणा की

मुजफ्फरनगर। दिनांक 2 मई दिन शुक्रवार में होने वाली जन आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए आयोजकों ने मुजफ्फरनगर शहर के व्यापार मंडलों के पदाधिकारीयों के साथ बैठक की स जिसमें सभी व्यापार मंडलों के पदाधिकारियों ने एकमत होकर दोपहर 3.00 बजे के बाद बाजार बंद कर जन आक्रोश रैली में टाउन हॉल में सम्मिलित होने का पूर्ण आश्वासन दिया व्यापार मंडलों के सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारीयों ने

आश्वासत किया कि कल होने वाली जन आक्रोश यात्रा में जनपद के व्यापारियों की बहुत बड़ी भागीदारी होगी स जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई इस कायराना हरकत से पूरे देश के व्यापारियों का दिल आहत है इसलिए सभी व्यापारी एकजुट होकर 2 मई के दिन टाउन हॉल के मैदान में शाम 5.00 बजे एकत्रित होकर अपना रोष व्यक्त करेंगे।

सम्पादकीय.....

कार्नी का नया कनाडा

कनाडा के आम चुनावों में मार्क कार्नी के नेतृत्व में लिबरल पार्टी की जीत भारत से संबंधों में सुधार के नजरिये से बेहद महत्वपूर्ण है। चुनाव से पूर्व और चुनाव के दौरान कार्नी कहते रहे हैं कि आने वाले समय में भारत से बेहतर रिश्ते बनेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की दुराग्रह और पृथक्तावादियों के दबाव के चलते भारत कनाडा संबंध अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गए थे। कार्नी की जीत से उम्मीद जगी है कि दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लौटेंगे। दरअसल, एक अपरिपक्व राजनेता की तरह जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर प्रकरण को जिस तरह तूल दिया, उसके चलते दोनों देशों के संबंध बेहद खराब स्थिति में पहुंचे। हालांकि, भारत सरकार ने निज्जर प्रकरण में हाथ होने के दावों का दृढ़ता से खंडन किया था। लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के राजनीतिक, आर्थिक संबंध और लोगों के आने–जाने का उपक्रम बुरी तरह प्रभावित हुआ था। निस्संदेह, कार्नी का फिर सत्ता में लौटना संबंधों में सुधार का स्पष्ट संकेत है। वे अपने पूर्ववर्ती के विपरीत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित आर्थिक विशेषज्ञ, व्यावहारिक राजनेता और बयानों में संतुलन रखने वाले व्यक्ति हैं। दरअसल, हाल के चुनावों में उनका 'मजबूत कनाडा, मुक्त कनाडा' का नारा खूब चला। ट्रंप के टैरिफ वार और बार–बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के बयानों ने कनाडा के लोगों में असुरक्षा का भाव भर दिया। कनाडाई जनमानस को पढ़ने में सक्षम कार्नी ने इस मुद्दे को हथियार बनाकर पार्टी की सत्ता में वापसी करा दी। अन्यथा कुछ समय पूर्व पार्टी के पराजय को लेकर दावे किए जा रहे थे। दरअसल, उन्होंने कनाडा को मजबूत करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बहाल करने की बात कही ताकि घरेलू स्थिरता को मजबूत किया जा सके। निश्चित रूप से कार्नी का यह दृष्टिकोण व्यापारिक, रणनीतिक व लोगों को जोड़ने की दृष्टि से भारत के लिये महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। एक सफल केंद्रीय बैंकर और अनुभवी निवेशक के रूप में कार्नी भारतीय बाजार से जुड़ने की आकांक्षा रखते हैं। बहरहाल, कार्नी के कनाडा की सत्ता में वापसी और भारत विरोधी तत्वों के सिमटने से नये सिरे से व्यापार वार्ता शुरू करने, छात्र वीजा सुविधा के विस्तार और आव्रजन नीतियों में स्थिरता की उम्मीद जगी है। उनकी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बधाई देने में मजबूत साझेदारी की उम्मीद झलकती है। हाल के वर्षो में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट से हजारों भारतीय छात्रों और आप्रवासियों का भविष्य प्रभावित हुआ। वीजा में देरी, पढ़ाई के बाद काम की चिंता और कथित रूप से कटुतापूर्ण माहौल ने एक सपनों के गंतव्य स्थल की छवि को धूमिल ही किया। बदले हुए हालात में कार्नी प्रशासन को इस वर्ग को आश्वस्त करने के लिये तेजी से काम करना होगा। वह वर्ग जो कनाडाई अर्थव्यवस्था में अरबों का योगदान देता है तथा उसके कुशल कर्मियों की संख्या को बढ़ाता है। भारत को पिछली कटुता को भुलाकर बेहतर संबंधों हेतु उदारता का परिचय देना चाहिए। आने वाला वक्त बताएगा कि कार्नी प्रशासन खालिस्तानी उग्रवाद और प्रवासियों संबंधी कट्टरता जैसे संवेदनशील मुद्दों को कितने बेहतर ढंग से संभालता है। वैश्विक व्यवस्था में बदलाव और अमेरिकी राजनीति में अनिश्चितता के बावजूद भारत व कनाडा के बीच जलवायु संबंधी मुद्दों, शिक्षा और डिजिटल नवाचार में गहरी भागीदारी की संभावना पैदा हुई है। कार्नी की जीत के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने की उम्मीद विश्वास में बदल सकती है। पूर्व बैंकर रहे कार्नी ने गत सोमवार को भारत व कनाडा के रिश्तों को बहुत महत्वपूर्ण बताया था, और भरोसा दिलाया था कि अगर वे दोबारा प्रधानमंत्री बनते हैं तो दोनों देशों के रिश्तों को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही एक चौनल से कहा कि रिश्तों में जो तनाव पैदा हुआ वो हमारी वजह से नहीं हुआ। एक–दूसरे के प्रति सम्मान के साथ इसे फिर से बहाल करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा।

दुष्प्रचार साबित हुआ सीडब्ल्यूजी घोटाला

डॉ. दीपक पाचपोर

सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत पांच लोगों के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामला हो या प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा का हरियाणा में कथित जमीन खरीद घोटाला, सरकार की जांच एजेंसियां अब तक पूछताछ ही कर रही हैं।

2010 में दिल्ली में आयोजित हुए राष्ट्रमंडल खेल (कॉमनवेल्थ गेम– सीडब्ल्यूजी) से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निवेदन पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बन्द कर दिया। इस मामले में कांग्रेस के दिग्गज नेता सुरेश कलमाड़ी समेत 14 लोगों को आरोपी बनाया गया था तथा तब के प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने शक की ऊंगलियां तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की ओर भी उठाई थी। मामले के करीब एक वर्ष बाद अस्तित्व में आई आम आदमी पार्टी ने भी इसे लेकर शीला दीक्षित की घेराबन्दी की थी जिसका लाभ उसे 2015 के विधानसभा चुनाव में मिला था। दीक्षित के नेतृत्व में शानदार काम कर रही कांग्रेस सरकार की हार हुई थी। उसके बाद हुए 2020 एवं 2025 के चुनावों में कांग्रेस का विधानसभा में नामलेवा तक न रहा। सीडब्ल्यूजी के शानदार आयोजन ने चाहे दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा को ऊंचा किया हो, लेकिन इस झूठे मामले की बड़ी कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी थी। कह सकते हैं कि 2014 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार को जिन झूठे आरोपों के कारण 2014 के आम चुनावों में हार का मुंह देखना पड़ा था, उनमें कथित 2जी घोटाले और कोयला घोटाले के साथ यह आरोप भी था। भाजपा द्वारा कोल ब्लॉक की नीलामी में लगाये गये बड़े भ्रष्टाचार का आरोप भी ईडी या केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) साबित नहीं कर पाई तथा वह मामला भी बन्द हो गया। सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत पांच लोगों के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामला हो या प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा का हरियाणा में कथित जमीन खरीद घोटाला, सरकार की जांच एजेंसियां अब तक पूछताछ ही कर रही हैं। साफ है कि कांग्रेस को इन घोटालों द्वारा भाजपा द्वारा बदनाम किया गया। टूजी स्पेक्ट्रम और कोयला खानों के आवंटन के मामले में विनोद राय ने तो माफी भी मांगी थी जो भारत के महालेखाकार थे और जिनकी रिपोर्ट में ही यह आरोप लगा था। बाद में जब उन्हें भाजपा सरकार ने राज्यसभा सदस्य बनाया था, तभी साबित हो गया था कि पूरी रणनीति बनाकर मनमोहन सिंह सरकार को बदनाम कर कांग्रेस को हराया गया था। सीबीआई का आरोप था कि कॉमनवेल्थ गेम्स– 2010 के लिए दो अनुबंधों के अवैध आवंटन से आयोजन समिति को 30 करोड़ रुपयों की हानि हुई थी। सीबीआई ने इस कथित घोटाले को लेकर 19 एफआईआर दर्ज की थीं और जनवरी 2014 में सबूतों के अभाव में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी, वहीं ईडी की जांच में भी किसी भी मामले में श्घोटालेश का कोई भी जिम्मेदार पकड़ा नहीं जा सका। इसे देखते हुए राउज एवेन्यू अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकृत कर ली। इस फैसले के साथ मनी लॉन्ड्रिंग के सारे आरोप भी खत्म हो गये। इस तरह कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजन समिति के प्रमुख सुरेश कलमाड़ी, महासचिव ललित भनोत और अन्य आरोपियों के खिलाफ जारी जांच भी समाप्त हो गयीं। कोर्ट ने स्वीकार किया कि जांच से हेराफेरी का कोई गुनाह साबित नहीं होता इसलिये ईडी द्वारा प्रस्तुत की गई समापन रिपोर्ट को उसने स्वीकार कर लिया। स्पेशल जज संजीव अग्रवाल ने टिप्पणी की कि सीबीआई पहले ही आरोपियों को बरी कर चुकी है, जिसके आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। कोर्ट ने ईडी के इस तर्क को मान लिया कि जब मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि नहीं होती तो मामले को आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं है। सीबीआई ने पहले ही इस मामले में समापन रिपोर्ट दायर की थी जिसमें उसने कहा था कि मामले में कोई भी विश्वसनीय सबूत सामने नहीं आए हैं जिनके बल पर आरोप साबित हो सकें। उल्लेखनीय है कि 3 से 14 अक्टूबर, 2010 तक नयी दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था लेकिन उसकी शुरुआत के पहले ही उसके मुख्य स्थल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के निकट नए बने पैदल यात्री पुल ढह जाने से इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी इस पर खूब चर्चा हुई थी। वैसे सीडब्ल्यूजी के आयोजन से दिल्ली की सूरत काफी बदल गयी थी। विश्व के सामने देश की छवि को संवारने के लिये, जिसमें आयोजकों को सफलता व प्रशंसा दोनों ही मिली थी, अनेक नागरिक सुविधाएं विकसित हुई थीं। अनेक नवनिर्माण हुए और पुराने भवनों व स्टेडियमों का जीर्णोद्धार किया गया। शहर का नये सिरे से सौंदर्यीकरण किया गया था तथा उसे दुनिया भर से आने वाले खिलाड़ियों, दर्शकों एवं मेहमानों को प्रभावित करने वाला विश्वस्तरीय काम हुआ थाय परन्तु अनियमितताओं के अनेक आरोपों के कारण दिल्ली सरकार तथा देश की बदनामी भी बहुत हुई थी। शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार को तो इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा था। इसके चलते सुरेश कलमाड़ी का एक तरह से राजनैतिक कैरियर ही खत्म हो गया और आप ने बहती गंगा में हाथ धोते हुए इसका भरपूर सियासी लाभ उठाया था। उन्होंने शीला दीक्षित को श्देश की सर्वाधिक भ्रष्ट सीएमश तक कह डाला था। वैसे जिस भाजपा ने इस मामले को लेकर शीला दीक्षित तथा मनमोहन सिंह को बदनाम किया था, उसे भी चुनावी सफलता नहीं मिल पाई थी। लाभ तो आप ले गयी। हालांकि अब भी दिल्लीवासियों का मानना है कि दिल्ली का असली कायाकल्प करने वाली शीला दीक्षित थीं जिन्होंने इसी खेल आयोजन के अवसर पर देश की राजधानी में व्यापक सुधार किये थे। सवाल है कि क्या भाजपा अच्छे–भले कामों में कोई घोटाला न होने के बावजूद बदनाम करने की अपनी प्रवृत्ति समाप्त करेगी या नहीं और क्या जनता वास्तविक भ्रष्टाचार और दुष्प्रचार के बीच अंतर करना सीखेगी?

मजदूर दिवस पर एक लघु कथा: मजदूरी–बनाम–मजबूरी

वह बोलती ही गयी क्योंकि वह परेशान थी , और अपनी परेशानी को बर्तन धोते धोते बोलती जाती है अपने आप खुद ही खुद से ।

मेरी समझ में कुछ नहीं आया ..तो मैने कहा कि श्मुझे कुछ समझ नहीं आया तुम क्या कह रही हो ,तुमने क्या क्या बोल दिया! पहले काम कर ले जल्दी से , ध्यान से।

वो मेरे कहने से चुप तो नहीं हुई ,काम करती रही और पहले की तरह ही बोलती रही ! और बचा काम खत्म कर पास आकर बैठ गई, मुझे भी लगा कि ऐसे तो कभी नहीं बैठती जाने क्या है मन में चलो सुन लेती हूँ!

क्या बताऊँ दीदी! मेरा आदमी तो मेरे साथ रहता नहीं , जब तक बच्चे छोटे थे तो माँ रह लेती थी आकर । अब मां को शहर में रहने की ही ऐसी आदत बन गयी कि गांव में पापा और भाई हैं उनके पास नहीं रहती।

भाग भाग मेरे ही पास आती रहती है । मेरी एक बहन भी इसी शहर में है उसके पास नहीं रहती मां । मेरी दो बेटी हैं , जवान हो गयी , बेटा नहीं है ।अब बेटियों को पढा रही हूं तेरे मेरे से सहायता लेके,,,

वह आज चुप नहीं हो रही थी खुलकर जो बोलना था बोलती गई...मेरी माँ मेरे घर ही आकर रहती है छः महीने ..तो मैंने पूछा कि छः महीने कहां रहती है?

तो वह बोली – श कि छः महीने ईंट भट्टे पर जाकर पथेर करती है, छोटी बहन जो शादी शुदा तो है बच्चे भी हैं पर उसका आदमी मर गया था वह और माँ दोनों भट्टे पर पथेर का काम करती हैं।

और फिर वह बोलती ही गयी क्योंकि वह परेशान थी , पहले तो अपनी परेशानी को बर्तन धोते धोते बोलती गयी । तब मेरी समझ में कुछ नहीं आया

पर मैं आज समझना चाहती थी उसे दिक्कत कहाँ हैं?

तो मेरे कहने पर कि श्मुझे कुछ समझ नहीं आया तुमने क्या क्या बोल दिया! तू बोलती भी बहुत तेज और ज्यादा भी..तभी वह पास आकर बैठ गई थी।

नहीं दीदी जी मैं पहले बिल्कुल नी बोलती थी मगर वक्त और हालात ने बोलना सिखा दिया ।

न जाने क्यूं आज मुझे लगा कि,वो लेट तो आई ही है , सो मैंने भी सोचा चल मैं भी तो अब फ्री हूं ! और मैं उसे सुनते सुनते दो कप चाय बना लाई, अपनी और उसकी भी । वह बोली दीदी मेरी चाय में चीनी ज्यादा डालना।

अरे! मैने तेरे कहने से पहले ही डाल दी, फिक्र मत कर ।

चल और बता क्यों और क्या परेशानी है तुझे!

मेरी दो बेटी हैं , जवान हो गयी , बेटा नहीं है ।अब बेटियों को पढा तो रही हूं मैं तेरे मेरे से सहायता ले लेकर।

मां का खर्च भी अब भारी लगन लगा,क्योंकि माँ अपनी कमाई सब बीडी में और छः महीने इधर उधर आने जाने के किराये में उडा देती है।

मैं तो दो पाटों के बीच फंस गयी हूं ,,ना माँ को मना कर पाती, ना रख पा रही हूं ।छोटा सा घर है ,बेटियों को पढने की जगह तक नहीं मिलती।

आज इसलिए परेशान हूँ कि माँ से लड़ाई हो गई, आज मैने मां से कह दिया कि मां अब तू शहर में अपना अलग कमरा ले ले, भाई भी आके तेरे पास रह देगा और पापा भी, जब तू गाँव में नहीं जाती...।तो माँ ने बहुत लड़ाई की।

और मेरी बेटियों के दिमाग में भी तो यह बात बैठ गया कि हमारे पापा भी शायद नानी के यहां रहने से ही दूर हुए हैं मम्मी से।

एक दिन छोटी बेटी ने पूछ ही लिया था दीदी वो तो मैने आपको बताया नहीं कि– मम्मी नानी तो नाना के साथ खुश है पर आपने क्यूं हमेरे पापा को नानी के कहने में आकर छोडा?

अब मैं बेटी को क्या बताऊं कि मैं तब भी मजबूर थी , मैं आज भी मजबूर हूं। मैं अपाहिज हूं इसलिए मेरे अंदर ड़र और हीन भावना ही भरी रहती थी हमेशा से मैं मोहताज रही माँ बाप पर

जिससे मैं इस्तेमाल होती रही। मायके वालों ने जमकर फायदा उठाया मेरा, मेरी शादी पहले तो एक बड़ी उम्र के आदमी से कर दी , फिर वहाँ से मुझे छुडवा दिया और उनसे पैसे ले लिए मेरी माँ ने ब्याह करने के भी,और बाद में छुट्टा छडा कराने में भी पैसे ले लिए ! तब तक मेरे पेट में बडी बच्ची आ गई थी जिसका पता मुझे महीनो बाद मायके में आकर चला।

अब मैं सोचती हूँ कि मेरी माँ तो दाई का भी काम करे थी मेरी इस लड़की को उसे परे (गिरवा) करवा देती! पर नहीं करवाई और एक बेटी की माँ होने के बाद फिर से मेरी शादी करवा दी, इसके साथ जो आज पति है , इसकी भी एक बेटी हो गई। इन सब हादसों के चलते चलते मैने अपने दूसरे पति के साथ शहर में रहना शुरू किया।मुझे पहले में बस यही कमी लगी कि वो गाँव में रहता था । वैसे तो प्यार तो उसने भी बहुत करा मुझसे। छोडना नी चाहवे था वो मेरी माँ ने तावल करी छुडवाने की, दो चार हजार रूपये के लालच में !

आज दूसरा पति जिन्दा है पर मैं उसके साथ नहीं रहती वह भी निकम्मा था वैसे तो मेरी पहली बेटी और दूसरी में उसने कोई किसी किस्म का फर्क नहीं किया। पर शराब घणी पीवे था।

मुझे लगा जब मेरी ही कमाई से बच्चे पलेंगे तो मैं निकम्मे आदमी की छत सिर पे क्यूँ धरूँ?

सरकारी आवास आवंटित है राजू ही मेरा पति है इसी शहर में दूसरी तरफ रहता है ।लोगो को दिख जा कभी आता जाता...।ना मैं उसे छेडती ना वो मुझे छेडता अब ।दोनो को आदत बन गई अलग अलग रहने की।

अब मुझे ही बेटियों की शादी की चिन्ता है और किसी को तो नहीं /मेरी मां को भी अपना जीवन काटने की फिक्र है । मेरा बाप भी मेरे भाई की ही फिक्र करता है !

बेटियों को अपने बाप के ही घर में पढने की जगह तक नहीं मिलती, जब मेरी माँ, भाई ,बाप आकर पडाव डाल लेते हैं ।

आज जब मां से कह दिया कि बिर मां अब तू अपना अलग कमरा ले ले... तो बहुत लड़ाई की।

हम बेटियां तो बस मांबाप के कर्ज उतारने लिए जन्म लेती हैं ! जो वें अपने बेटे को बसाने के लिए ले लेते है!

और वें खुद भी बेटे के लिए कमाते कमाते मर जाते है, पर वें मजदूर बेटे कभी कामयाब नहीं होते, 30 साल तक ही शराब पी पीकर बूढे हो जाते हैं।

जब तक माँबाप बहन जिन्दा है मौज करते हैं फिर अपनी बीवी पर रोज पिटते हैं। या अलग रहते हैं।

हर मजदूर की अपनी तरह की भिन्न भिन्न मजबूरी।

राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन गई है टीवी पत्रकारिता

अनिल जैन

भारतीय मीडिया, खास कर टेलीविजन के राष्ट्रीय न्यूज चौनल इस वक्त अपने अल्प इतिहास में सार्वकालिक पतन के दौर से गुजर रहे हैं। ताजा मामला है कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को लेकर उसका रवैया। कश्मीर घाटी के बाशिंदों को पिछले एक दशक में जितना बदनाम और भावनात्मक रूप से जितना आहत भाजपा की प्रोपेगेंडा मशीनरी ने नहीं किया है, उससे ज्यादा उन्हें बदनाम करने और उनके जख्मों को कुरेदने का काम देश के इन राष्ट्रीय टीवी चौनलों ने किया है। इसीलिए आम तौर पर इन टीवी चौनलों को भी अब भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा ही माना जाने लगा है। इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बांशिदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए समूचे कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए श्कश्मीर बंदश रखा। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य की कानून–व्यवस्था को लेकर अपने पास कोई अधिकार न होने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आतंकवादी हमले के लिए पूरे देश से माफी मांगी। इस सबके बावजूद टीवी चौनलों का रवैया कतई सकारात्मक नहीं है। उनका पूरा जोर आतंकवादियों के बहाने कश्मीरियों और पूरे देश के मुसलमानों को अपमानित करने और उनके खिलाफ नफरत का वातावरण तैयार करने और युद्धोन्माद पैदा करने पर है। टीवी चौनलों का यह रवैया छह साल पुराने उस दौर की याद ताजा कर रहा है जब केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू–कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था और उसका विभाजन कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। तब भी इन टीवी चौनलों ने अपने संवाददाताओं को कश्मीर भेजे बगैर ही कश्मीर के बारे में खूब मनगढ़ंत और बेसिर–पैर की खबरें अपने दर्शकों को परोसी थीं। उस समय विशेष दर्जा खत्म करने के केंद्र सरकार के फैसले से कश्मीर घाटी के लोग बेहद क्षुब्ध और निराश थे। अपना विरोध जताने के लिए उन्होंने कई दिनों तक अपना काम–काज बंद रखा था। समूची कश्मीर घाटी में लॉकडाउन जैसे हालात थे। उसी दौरान इन पंक्तियों के लेखक ने अपने साथी पत्रकार महेंद्र मिश्र के साथ हालात का जायजा लेने के लिए कश्मीर घाटी की यात्रा की थी। हम लोग वहां एक सप्ताह तक रहे थे। उस समय तमाम टीवी चौनल कश्मीर को लेकर ऐसी तस्वीर पेश कर रहे थे मानो वह किसी दूसरे देश का हिस्सा था, जिसे भारत सरकार ने हमला कर जीत लिया हो और अपना हिस्सा बना लिया है। यह बात बार–बार जोर देकर बताई जा रही थी कि अब कोई भी भारतीय वहां आसानी से जमीन खरीद सकेगा, वहां बस सकेगा। यही नहीं, भाजपा के कुछ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने तो ऐसे भी बयान दिए थे कि अब भारत के दूसरे प्रदेशों के नौजवान कश्मीर से अपने लिए दुल्हन भी ला सकेंगे। ऐसे बेहूदा बयानों को तमाम टीवी चौनल बढ़–चढ़कर दिखा रहे थे। इसी बात को सोशल मीडिया पर भाजपा का समर्थक वर्ग और भी ज्यादा भद्दे तरीके से प्रचारित कर रहा था, जिससे हर कश्मीरी बुरी तरह आहत और दुखी था, वह अपने को अपमानित महसूस कर रहा था। ऐसा महसूस करते हुए उसका दुखी होना स्वाभाविक भी था। उस समय तमाम बेखबरी टीवी चौनल रोजाना पुराने फुटेज और सरकारी दावों के आधार पर बता रहे थे कि कश्मीर घाटी में जनजीवन लगातार सामान्य हो रहा है, लेकिन श्रीनगर पहुंचकर हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही हमने पाया था कि कहीं कुछ सामान्य नहीं है। उस दिन कश्मीर में जनता द्वारा लागू लॉकडाउन का 32वां दिन था। डिजिटल इंडिया में उस श्नए कश्मीरश का जनजीवन बगैर मोबाइल फोन और इंटरनेट के पूरे 33 दिन से अपाहिज बना हुआ था। हमने एक हफ्ते वहां रहते हुए देखा था कि सरकारी स्कूल–कॉलेज खुल रहे हैं लेकिन वहां पढ़ने वाले बच्चे नदारद हैं। सरकारी परिवहन के साधन बंद थे। सरकारी दफ्तर, बैंक आदि भी खुलते थे लेकिन उनमें सन्नाटा पसरा रहता था। होटलें, रेस्टोरेंट, दुकानें पूरी तरह बंद थे। देशी–विदेशी पर्यटकों का आना पूरी तरह बंद था। डल झील में तमाम शिकारे खामोश और उदास खड़े थे। पूरे श्रीनगर में हर दस कदम पर पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात थे। हमने देखा था कि सुबह के वक्त दो घंटे के लिए खाने–पीने के सामानों की दुकानें खुलती थीं, ताकि लोग अपनी रोजमर्रा की जरुरतों का सामान खरीद सकें। बस उन्हीं दो घंटों की लड़खड़ाती और उदास चहल–पहल के बाद पूरे दिन घाटी में सन्नाटा पसरा रहता था। यही माहौल बाद में दो महीने तक और रहा था। फिर भी टीवी चौनलों की खबरों में इन सब बातों का कोई जिक्र नहीं हो रहा था। जो कुछ बताया जा रहा था, वह हकीकत से एकदम उलट यानी सरासर बकवास था। इसी वजह से घाटी के बाशिंदों में जबरदस्त गुस्सा था। उनका कहना था कि ये सारे चौनल कश्मीर के मौजूदा हालात की लगातार गलत तस्वीरें पेश कर रहे हैं। बहरहाल, इस समय पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भी टीवी चौनलों का रोल बेहद आपत्तिजनक और गंदा है। उनकी खबरों के प्रस्तुतिकरण में वस्तुनिष्ठता सिरे से नदारद है। हमले के दौरान और हमले के बाद श्रीनगर, पहलगाम और आसपास के इलाकों के बांशिदों ने पीड़ित पर्यटकों की जिस तरह मदद की, उसे सिरे से नजरअंदाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और फिर उन्हें मारा। अगर यह बात सही है तो जाहिर है कि उनका मकसद इस नरसंहार के जरिये देश के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अलगाव व नफरत की खाई को और ज्यादा गहरा व चौड़ा करना था। तमाम टीवी चौनल आतंकवादियों के इसी मकसद को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। किसी भी टीवी चौनल की ओर से सरकार से यह सवाल नहीं पूछा जा रहा है कि जब पूरे जम्मू–कश्मीर में विभिन्न सुरक्षा बलों के ढाई लाख से ज्यादा जवान तैनात हैं तो जिस जगह हमला हुआ वहां सुरक्षा बल का एक भी जवान क्यों नहीं तैनात था? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के एक बार नहीं, कई मर्तबा किए गए इस दावे पर कोई सवाल नहीं उठा रहा है कि नोटबंदी और जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद आतंकवाद की कमर टूट गई है। सबसे खतरनाक बात तो यह है कि देश में युद्धोन्माद फैलाने के मकसद से कुछ चौनलों पर भारतीय सेना की संभावित रणनीतियों और पाकिस्तान की संभावित चालों पर भी खुली बहस हो रही है। जिस जानकारी तक दुश्मन देश को पहुंचने में समय लगता है, उसे टीवी चौनलों के स्टूडियो से मुफ्त में परोसा जा रहा है।

एफआईआर कर दूंगी... खेसारी संग जुड़ा नाम, फेक न्यूज पर भड़कीं रानी चटर्जी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री रानी चटर्जी ने अपनी खिलाफ चली एक न्यूज को फेक बताते हुए कानूनी एक्शन लेने की धमकी दी है। ये पहली बार नहीं है जब भोजपुरी स्टार ने धमकी से काम लिया हो वो पहले भी ऐसा कर चुकी हैं। कभी सुसाइड की तो कभी लात मारने की धमकी दे चुकी हैं। एक न्यूज का हवाला देते हुए रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट शेयर कर चौनल को खूब खरी खोटी सुनाई। रानी ने लिखा, "दोबारा ऐसी फालतू न्यूज चलाई तो आपके चौनल पर एफआईआर कर दूंगी। कोई सबूत है आपके पास कि रानी, खेसारी के साथ काम करने को तरसती है या मैंने उन्हें डिमोटिवेट किया है। खेसारी जी तो कुछ भी बोल देते हैं, उन्हें बस दूसरों को नीचा दिखाकर खुद को बड़ा दिखाना होता है।" शेयर किए गए न्यूज में लिखा था, खेसारी के साथ काम करने से रानी ने मना कर दिया था, अब उनके साथ काम करने को तरसती हैं। न्यूज चौनल को समझाते हुए रानी ने आगे लिखा, "खेसारी लाल जब हीरो भी नहीं बने थे, उसके कई साल पहले से काम कर रही हूं। वो 'नागिन' में केवल इसलिए नजर आए थे क्योंकि मैंने कोई ऑब्जेक्शन नहीं किया था, बल्कि मैंने उनका सपोर्ट ही किया था। मैं कभी रिएक्ट नहीं करती हूं, मगर अब ज्यादा हो रहा है।" चटर्जी ने बताया कि 20 साल के करियर में उन्हें काम के लिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई या तरसना नहीं पड़ा। उन्होंने आगे लिखा, "खेसारी लाल की हर बात सही हो, यह जरूरी नहीं है। मैंने ही नहीं, पूरी इंडस्ट्री ने उनका सपोर्ट किया है और आपको पत्रकारिता ही करनी है तो सबूत के साथ कीजिए। बता दूं कि नए एक्टर्स का जितना सपोर्ट रानी ने किया है, उतना कोई हीरोइन नहीं सोच सकती और बात रही तरसने की, तो 20 साल से भोजपुरी सिनेमा में मुझे कभी काम के लिए तरसना नहीं पड़ा। अभिनेत्री ने आगे बताया, "रानी चटर्जी ने जब 2004 में 'ससुरा बड़ा पैसे वाला' से डेब्यू किया था, तब किसी से न तो डरी और न ही तरसी थीं, तो आज 2025 में जब मैं सक्षम हूं, तो क्या तरसूंगी।"वहीं, खेसारी लाल पर तंज कसते हुए अभिनेत्री ने आगे लिखा, "सच्चाई ये है कि जिस अभिनेता की आप बात कर रहे हैं, उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में मदद करने वाले किसी भी एक्टर की इज्जत नहीं रखी, तो आगे क्या कहूं। एक सुपरस्टार को अपने को–स्टार के बारे में बोलने से पहले सोचना चाहिए। सच बताऊं तो मैं उनकी दोस्त हूं, लेकिन अब मैं शायद ही कभी लिख पाऊंगी कि मैं उनकी दोस्त हूं। इस तरह के झूठे इल्जाम से मैं आहत हूं।"इस बीच बता दें कि न्यूज चौनल को धमकी देने वाली अभिनेत्री रानी का यह पहला मामला नहीं है। वह इससे पहले भी कई बार गुस्से में धमकी दे चुकी हैं। इससे पहले उनके नाम से फेक अकाउंट बनाकर कमेंट करने वाले यूजर को उन्होंने लात मारने की धमकी दी थी। इसके साथ ही उन्होंने मुंबई पुलिस से भी एक्शन लेने की अपील की थी।इसके अलावा, रानी ने साल 2020 में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि एक शख्स के उत्पीड़न से वह तंग आ चुकी हैं और वह सुसाइड करना चाहती हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में अभिनेत्री ने बताया था कि उन्हें कोई शख्स कई सालों से परेशान कर रहा है। रानी ने बताया था कि वो डिप्रेशन में हैं और अपनी जान दे देंगी। उन्होंने मुंबई पुलिस से एक्शन लेने को कहा था।

शादी की नौवीं सालगिरह पर बिपाशा बसु ने पति करण संग बिताए पलों का वीडियो किया शेयर

बॉलीवुज के पावर कपल्स लिस्ट में शुमार बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की शादी को 9 साल पूरे हो चुके हैं। आज उनकी शादी की नौवीं सालगिरह है। इस मौके पर एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर पति करण के साथ कुछ रोमांटिक पलों को शेयर किया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो की शुरुआत उनकी शादी से होती है, जिसमें दोनों ही दुल्हा–दुल्हन के जोड़े में हैं। सुर्ख लाल जोड़े में बिपाशा दुल्हन के रूप में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इसके बाद उनके रिसेप्शन की क्लिप आती है, जिसमें करण गाते दिख रहे हैं और बिपाशा झूम रही हैं। इसके बाद वीडियो में कुछ रोमांटिक पल नजर आ रहे हैं, जिसमें प्यार–मोहब्बत और ढेर सारे अनमोल पल शामिल हैं। वीडियो के आखिर में उनकी बेटी देवी भी नजर आ रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा– हैप्पी मंकीएनवर्सरी, आप मेरे लिए सब कुछ हैं... मंकीलव फॉरएवर बता दें कि मंकीलव का मतलब नटखट और मस्ती भरा प्यार होता है। उनके इस पोस्ट पर फैंस और कई जानी–मानी हस्तियां कमेंट कर उन्हें सालगिरह की बधाइयां दे रहे हैं। टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 फेम आरती सिंह ने कमेंट किया और लिखा–हैप्पी एनवर्सरी, भगवान तुम दोनों पर अपना आशीर्वाद हमेशा बनाए रखे। टीवी का जाना–माना चेहरा सोन्या अयोध्या ने भी कमेंट में कपल को विश किया और लिखा–हैप्पी एनवर्सरी इसके आगे हार्ट इमोजी शेयर किया। फैंस भी उन्हें शादी की नौवीं सालगिरह की शुभकामनाएं दे रहे हैं। दोनों की शादी को बेशक 9 साल हो गए हैं, लेकिन आज भी दोनों की केमिस्ट्री दमदार दिखती है। दोनों की पहली बार मुलाकात फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी। करण से मिलने से पहले बिपाशा 10 साल तक एक्टर जॉन अब्राहम के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन साल 2011 में दोनों का रिश्ता टूट गया। वहीं करण की भी पहले दो शादियां हो चुकी थीं। उनका पहला तलाक श्रद्धा निगम से हुआ और दूसरा तलाक उन्होंने एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट से लिया। दोनों ही अपने जीवन में सच्चे हमसफर की तलाश में थे। फिल्म अलोन के सेट पर दोनों काफी करीब आ गए और प्यार हो गया। इसके बाद उन्होंने 30 अप्रैल 2016 को शादी कर ली। साल 2022 में उन्होंने बेटी देवी का स्वागत किया।

रोना–धोना था नाटक! 700 की भीड़ में मैं नहीं गाऊंगी... मेलबर्न कॉन्सर्ट में नेहा कक्कड़ ने दिखाए थे नखरे, ये है 3 घंटे देरी से आने का सच

बॉलीवुड की फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में परफॉर्म किया था। इस शो में 3 घंटे देरी से पहुंची थीं इसलिए उनकी खूब आलोचना हुई थी। दर्शकों ने तो वहीं पर ही चिल्लाना शुरू कर दिया था। नेहा स्टेज पर रोई भी थीं। उनके कई वीडियो वायरल हुए थे। इस शो के बाद नेहा ने शो के आयोजकों बीट्स प्रोडक्शन पर आरोप लगाए थे। फिर बीट्स प्रोडक्शन ने भी इस कहानी में अपना पक्षा रखा था। अब ऑस्ट्रेलिया के कार्यक्रम आयोजक पेस डी और बिक्रम सिंह रंधावा ने एक और सच बताया है। उन्होंने कहा कि नेहा के दावों में सच्चाई नहीं है। पेस डी और बिक्रम सिंह रंधावा ने सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए बताया– ऑडियंस तैयार थी और काफी उत्साहित थी और उम्मीद कर रही थी कि नेहा कक्कड़ स्टेज पर आएंगीं लेकिन वो रात 10 बजे तक स्टेज पर पहुंचीं। नेहा कक्कड़ के कॉन्सर्ट का टाइम 7. 30 बजे से था, लेकिन वो तय समय से ढाई घंटे देर से पहुंचीं इसलिए भीड़ नाराज और गुस्से में हो गई। ऑस्ट्रेलिया में लोग अपने समय की कद्र करते हैं।लोग अपने परिवारों के साथ विशेष प्रयास करके आए थे। कुछ ने तो एयूडी 300 के टिकट खरीदे थे दृ जो लगभग 15,000 से 16,000 रुपये के बराबर है। उन्होंने आगे कहा–श्नेहा कक्कड़ ने लगातार दो दिनों में एक ही कंपनी के साथ दो शो किए। उनका पहला शो सिडनी में हुआ था, जिसमें 1500–2000 लोग शामिल हुए थे और ये अच्छा रहा। दूसरा शो अगले दिन मेलबर्न में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ 700 लोग शामिल हुए थे और इसी कारण वो इस शो में तीन घंटे देरी से पहुंचीं। नेहा कक्कड़ ने दर्शकों की संख्या को देखते हुए परफॉर्म करने से इंकार कर दिया और कहा कि जब तक आयोजक कार्यक्रम स्थल को भर नहीं देते तब तक वह मंच पर नहीं चढ़ेंगी। उन्होंने दावा किया, मुझे आयोजक से जो पता चला वो ये था कि उन्होंने कहा कि केवल 700 लोग हैं इसलिए जब तक आप स्टेडियम को भर नहीं देते, मैं परफॉर्म नहीं करूंगी। नेहा ने ये भी दावा किया था कि साउंड चेक नहीं था और आयोजकों ने साउंड इंजीनियरों को भुगतान नहीं किया... इसको लेकर पेस डी और बिक्रम ने कहा–वहां ओपनिंग एक्ट थे और सभी ने परफॉर्म किया और सारा सेट अप हो चुका था। मुझे नहीं लगता कि वह जो कह रही थी वह सच है। नेहा ने आयोजकों पर उन्हें पैसे न देने और होटल, खाना या पानी की व्यवस्था न करने का भी आरोप लगाया। इसको लेकर पेस डी और बिक्रम ने कहा कि वहां कारों की कतार लगी हुई थी और होटल बुक था। इस पर उन्होंने कहा– अगर होटल नहीं था तो वह कहां ठहरी थी? वह जी वैगन में ट्रैवल कर रही थीं। पेमेंट ना देने के दावे को भी खारिज करते हुए कहा–ऑस्ट्रेलिया में ये आम बात है कि आर्टिस्ट को देश के लिए उड़ान भरने से पहले पूरा भुगतान कर दिया जाता है। ये ऑस्ट्रेलिया में बहुत ही बुनियादी बात है चूंकि मेलबर्न में शो के लिए भीड़ नहीं आई इसलिए आयोजक को 500,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। इससे पहले नेहा कक्कड़ ने कहा था क्या आप जानते हैं कि मैंने मेलबर्न के दर्शकों के लिए बिल्कुल मुफ्त में परफॉर्म किया था?

अक्षय कुमार की हंसी का तड़का इस बार एक किलर ट्विस्ट के साथ आया

लोकप्रिय फ्रेंचाइजी 'हाउसफुल' की 15वीं वर्षगांठ पर, निर्माताओं ने बहुप्रतीक्षित पांचवीं किस्त का टीजर जारी किया है। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और कई स्टार कलाकारों से सजी यह फिल्म पांच गुना हंसी, पागलपन और पूर्ण पारिवारिक मनोरंजन का वादा करती है। टीजर में बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर की मौजूदगी की पहली झलक दिखाई गई है। टीजर की शुरुआत क्रूज पर होती है, जहां बैकग्राउंड में बांसुरी की धुन बजती है। फिल्म के छोटे–छोटे क्लिप में सभी कलाकारों का परिचय कराया गया है। अनुभवी अभिनेता रंजीत भी इसमें दिखाई देते हैं, जो फ्रैंचाइज़ी के पिछले भाग में उनकी भूमिका की याद दिलाते हैं। कथानक के बारे में बहुत कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन ऐसा लगता है कि एक रहस्यमय हत्यारा छाया में छिपा हुआ है, जो नकाब पहने हुए है। कई हत्याएं होती हैं और फिल्म कॉमेडी और मर्डर मिस्ट्री का मिश्रण लगती है। निर्माताओं द्वारा साझा की गई एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, हाउसफुल 5 दर्शकों को एक शानदार क्रूज पर ले जाती है, जो अंतहीन हंसी, ट्विस्ट और चार्टबस्टर गानों के साथ एक किलर कॉमेडी का रोलरकोस्टर राइड का वादा करती है। निर्देशक तरुण मनसुखानी हाउसफुल 5 का निर्देशन कर रहे हैं। जो शानदार दृश्यों, प्रफुल्लित करने वाले ट्विस्ट, अपमानजनक पात्रों और चार्ट में शीर्ष पर पहुंचने के लिए तैयार संक्रामक संगीत से भरे एक शानदार क्रूज पर रवाना होती है। कॉमेडी, ग्लैमर और सिचुएशनल पागलपन को मिलाकर, यह फिल्म 2025 में ब्लॉकबस्टर कॉमेडी को फिर से परिभाषित करने का लक्ष्य रखती है। साजिद नाडियाडवाला अपने प्रतिष्ठित बैनर, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत हाउसफुल 5 का निर्माण कर रहे हैं। यह 6 जून 2025 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। इस गर्मी में, अराजकता और कॉमेडी की एक अविस्मरणीय यात्रा के लिए खुद को तैयार करें। हाउसफुल का पागलपन वापस आ रहा है, और यह पहले से कहीं ज़्यादा बड़ा, बोल्ड और मज़ेदार है!

इंस्टाग्राम पर कम हो गये थे फॉलोवर्स, 25 साल की मीशा अग्रवाल ने कर ली आत्महत्या

मीशा अग्रवाल की 25वें जन्मदिन से ठीक दो दिन पहले आत्महत्या से मौत हो गई, जिसकी पुष्टि उनके परिवार ने उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट के ज़रिए की। युवा प्रभावशाली मीशा ने ऑनलाइन काफ़ी संख्या में फ़ॉलोअर्स जुटाए थे। उनकी 24 अप्रैल को मौत हो गई, जिससे उनके फ़ॉलोअर्स सदमे में हैं। मीशा के इंस्टाग्राम हैंडल पर 26 अप्रैल को एक शुरुआती पोस्ट दिखाई दी, जिसमें सिर्फ़ इतना लिखा था, मीशा अग्रवाल, 26 अप्रैल, 2000 – 24 अप्रैल, 2025ष, लेकिन मौत का कारण नहीं बताया गया। इस खबर से सदमे और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। अब उनकी बहन ने 30 अप्रैल को एक बयान जारी करके पुष्टि की कि मीशा की मौत आत्महत्या से हुई है। मीशा अग्रवाल की बहन ने मंगलवार को मीशा अग्रवाल के इंस्टाग्राम पेज 'themishaagrawalshow' पर अपनी बहन की मौत के पीछे

की वजह बताते हुए एक पोस्ट शेयर की। पोस्ट में मीशा की बहन ने लिखा, श्मेरी छोटी बहन ने इंस्टाग्राम और अपने फ़ॉलोअर्स के इर्द–गिर्द अपनी दुनिया बना ली थी, जिसका एक ही लक्ष्य था 1 मिलियन फ़ॉलोअर्स तक पहुँचना और प्यार करने वाले प्रशंसक पाना। जब उसके फॉलोअर्स कम होने लगे, तो वह परेशान हो गई और खुद को बेकार समझने लगी। अप्रैल से, वह बहुत उदास थी, अक्सर मुझसे गले मिलती और रोती हुई कहती, श्जीजी, अगर मेरे फॉलोअर्स कम हो गए तो मैं क्या करूँगी?श मीशा की बहन ने आगे लिखा, श्मैंने उसे सांत्वना देने की कोशिश की, उसे समझाया कि यह उसकी पूरी दुनिया नहीं है, यह अंत नहीं है। मैंने उसे उसकी प्रतिभा, उसकी एलएलबी की डिग्री और पीसीएसजे की तैयारी की याद दिलाई, उसे बताया कि वह एक दिन जज बनेगी और उसे अपने करियर की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। सोशल मीडिया पोस्ट में, मीशा की बहन ने यह भी बताया कि उसने मीशा को इंस्टाग्राम को सिर्फ़ मनोरंजन के तौर पर देखने और इसे अपने ऊपर हावी न होने देने की सलाह दी। उन्होंने लिखा मैंने उसे अपनी खुशी पर ध्यान केंद्रित करने और चिंता और अवसाद को दूर करने का आग्रह किया। दुर्भाग्य से, मेरी छोटी बहन ने मेरी बात नहीं मानी और इंस्टाग्राम और फॉलोअर्स में इतनी डूब गई कि वह हमेशा के लिए हमारी दुनिया से चली गई। दुख की बात है कि वह इतनी अभिभूत हो गई कि उसने अपनी जान ले ली, जिससे हमारा परिवार तबाह हो गया। कंटेंट क्रिएटर मीशा के इंस्टाग्राम पर 358ा फॉलोअर्स थे। उनकी मौत की खबर ने उनके फॉलोअर्स को झकझोर कर रख दिया। उनके फॉलोअर्स ने कमेंट सेक्शन में अपना दुख व्यक्त किया। अपनी बहन द्वारा उसे आश्वस्त करने और उसकी कई उपलब्धियों और भविष्य के अवसरों की याद दिलाने के प्रयासों के बावजूद, मीशा डिजिटल मेट्रिक्स में ही खोई रही।

इस तरह बनाएं चिकन बिरयानी, 30 मिनट में बनकर तैयार हो जाएगी

क्या आप उन लोगों में से हैं जिन्हें रसोई में घंटों बिताना पसंद नहीं है? तो आपके लिए खुशखबरी है। सोशल मीडिया पर वायरल आलसी लड़की बिरयानी रेसिपी सिर्फ़ 30 मिनट में तैयार हो जाती है। इस रेसिपी को बनाने में न तो अधिक समय लगता है और न ही अधिक मेहनत। आप इसे आसानी से घर पर बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ स्वादिष्ट बिरयानी का आनंद ले सकते हैं। यह रेसिपी 6 लोगों के लिए पर्याप्त है, तो आप अपने दोस्तों और परिवार के साथ इसे बांटकर भी इसका आनंद ले सकते हैं।

सामग्रीः चिकन ब्रेस्ट– 2, आलू– 2, टमाटर– 2, अदरक–लहसुन का पेस्ट– 1 बड़ा चम्मच, ताज़ी मिर्च– 5, बासमती चावल– 3 कप, बिरयानी मसाला (अपनी पसंद का)– 1 पैकेट, नमक– 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर– 1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर– 1/2 छोटा चम्मच, दालचीनी– आधा, हरी इलायची– 4, मक्खन– 1 बड़ा चम्मच, दही– 2 बड़े चम्मच, 1/2 मुट्ठी पुदीना, 1/2 मुट्ठी धनिया, तले हुए प्याज़– 1 कप; चावल के लिए– साबुत मसाले– 1 बड़ा चम्मच, तेज पत्ता– 1

विधि

1. सबसे पहले 2 से 3 प्याज़ काट लें और उन्हें कुरकुरा और गहरा भूरा होने तक तल लें। इसे एक तरफ़ रख दें।

2. अब चावल को धोकर मसाले और तेज़ पत्ता के साथ भिगोएं और जब हो जाए, तो चिकन ब्रेस्ट, आलू और टमाटर को काट लें। आलू को सिर्फ़ आधा या चौथाई ही काटें, जबकि टमाटर को बारीक़ काट लें।

3. एक मोटे तले वाला पैन लें, जिस पर थोड़ा तेल लगा हो और उसमें अदरक–लहसुन का पेस्ट और मिर्च डालकर भूनें। फिर टमाटर डालें और उन्हें नरम होने तक चलाते रहें।

4. अब इसमें चिकन, आलू, दही, बिरयानी मसाला, मसाले और ताज़ी जड़ी–बूटियां डालें। इसे मिलाएं और कम से कम 15 मिनट तक भूनें, ताकि सामग्री एक–दूसरे में मिल जाए।

5. अब चावल को बिरयानी मसाला छिड़क कर उबलने के लिए रख दें। जब यह 75 प्रतिशत पक जाए, तो इसे उतार लें।

6. चिकन और टमाटर के मसाले के ऊपर ताज़ी जड़ी–बूटियां, 3 कटी हुई ताज़ी मिर्च और तले हुए प्याज़ डालें और उसके बाद चावल को छान लें।

7. बिरयानी मसाला, खाने का रंग और मक्खन का मिश्रण बनाएं और इस चावल पर डालें। लगभग 15 मिनट के लिए दम पर रखें और खाएं।

सफर में हों या ऑफिस हर महिला के बैग में होने चाहिए ये मेकअप प्रोडक्ट्स, दिनभर बना रहेगा ग्लो

अगर आपके पास समय कम है और आप अपनी स्किन को हेल्दी और सुंदर बनाए रखना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। ऐसे आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी पर्स में जरूर रखना चाहिए।

ब्यूटी की मतलब सिर्फ मेकअप से नहीं होता है, बल्कि हर तरफ से अपने फेस को सही रखना होता है। जब भी हम कहीं बाहर जाने का प्लान करते हैं, तो सोचते हैं कि बैग में ऐसा क्या रखें कि हमारा चेहरा सुंदर दिखे। लेकिन अगर आपके पास समय कम है और आप अपनी स्किन को हेल्दी और सुंदर बनाए रखना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। ऐसे आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी पर्स में जरूर रखना चाहिए।

फेस क्लींजर या फेस वॉश

सफर के दौरान फेस की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी स्किन को साफ रखना होता है। दिनभर की धूल–मिट्टी, ऑयल और मेकअप हटाने के लिए सबसे अच्छा फेस वॉश या क्लींजर जरूरी है। इसलिए आप अपनी स्किन टाइप का क्लींजर और फेस वॉश जरूर रखें।

फेस मास्क

बाहर की धूप और धूल की वजह से फेस पर गंदगी की परत जम जाती है। इसलिए आप अपनी पर्स में फेस मास्क जरूर रखें। यह आपकी स्किन को हाइड्रेटेड रखता है।

लिप बाम

फेस के साथ–साथ होंठों की देखभाल करना बेहद जरूरी है। ड्राय और फटे होंठ दर्द देते हैं। साथ ही फटे होंठ हमारे लुक को भी खराब कर देते हैं। इसलिए अपनी पर्स में लिप बाम जरूर रखें। आप विटामिन [illegible] और [illegible] युक्त लिप बाम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मॉइस्चराइजिंग क्रीम

स्किन को कोमल और मुलायम बनाए रखने के लिए आपको अपनी पर्स में मॉइस्चराइजिंग क्रीम रखना चाहिए। इसलिए बाहर जाते समय इसको लेना न भूलें।

फेस सीरम या नाइट क्रीम

रात में हमारी स्किन रिपेयर होती है, इसलिए रात में सोने से पहले आपको किसी अच्छी नाइट क्रीम या सीरम अपनी स्किन पर जरूर लगानी चाहिए। इससे अगली सुबह आपका फेस फ्रेश और ग्लोइंग रहेगा।

एक ही तरह के खाने से हो गए हैं बोर? इन 5 तरीकों से खाने को बनाएं मजेदार और हेल्दी

क्या आपने 2025 की शुरुआत बेहतर खाने के वादे के साथ की थी, लेकिन आप उस तक नहीं पहुंच पाए? या शायद आप हर हफ्ते एक ही तरह का खाना बनाने या लगभग हर दिन काम के लिए एक ही तरह का लंच बनाने से अलग हटना चाहते हैं? छोटे–छोटे आहार परिवर्तन आपके महसूस करने के तरीके, आपके शरीर के काम करने के तरीके और रक्तचाप, रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल के स्तर जैसे स्वास्थ्य संकेतकों में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आप प्रमुख खाद्य समूहों से विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खाकर अपनी पोषक तत्वों की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। अपने पोषक तत्वों के सेवन को बढ़ाने और अपने खाने में विविधता लाने के लिए इन पांच आहार संबंधी बदलावों का उपयोग करें।

1. अपने फाइबर सेवन को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के चोकर को शामिल करें

आहार फाइबर–जैसे जई का चोकर, गेहूं के चोकर को नाश्ते के अनाज में मिलाएं या सफेद आटे का उपयोग करने वाले व्यंजनों में कुछ जोड़ें। यह रक्त कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के साथ–साथ फाइबर पाचन प्रक्रिया को धीमा करने में भी मदद करता है, जिससे आपको भरा हुआ महसूस होता है और खाने के बाद रक्त शर्करा के स्तर में सामान्य वृद्धि धीमी हो जाती है गेहूं का चोकर एक अघुलनशील फाइबर है, जिसे रफेज भी कहा जाता है

2. अपनी डाइट में बीन जोड़ें

बीन में कुल आहार फाइबर बहुत अधिक होता है, जिसमें घुलनशील फाइबर और प्रतिरोधी स्टार्च शामिल है। शरीर धीरे–धीरे फलियों में पोषक तत्वों को पचाता और अवशोषित करता है, जिससे उनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसलिए उन्हें खाने से आपको पेट भरा हुआ महसूस होता है। नियमित रूप से अधिक फलियां खाने से रक्त शर्करा का स्तर और कुल और स्क्स (खराब) कोलेस्ट्रॉल कम होता है। बोलोग्नीज, करी, सूप और सलाद जैसे व्यंजनों में फलियां मिलाएं।

3. एक अलग साबुत अनाज आजमाएं

साबुत अनाज उत्पादों में अनाज की तीनों परतें होती हैं। आंतरिक रोगाणु परत और बाहरी चोकर परत दोनों ही फाइबर, विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं। साबुत अनाज में ओट्स, मक्का, राई, जौ, एक प्रकार का अनाज, क्विनोआ, ब्राउन राइस और साबुत अनाज से बने खाद्य पदार्थ शामिल हैं, जैसे कुछ ब्रेड और नाश्ते के अनाज जैसे रोल्ड ओट्स, मूसली और पांच–अनाज दलिया। साबुत अनाज सिर्फ नाश्ते और दोपहर के भोजन के लिए नहीं होते। रात के खाने में भी इसे ऐड कर सकते हैं।

4. हर हफ्ते एक अलग सब्जी या सलाद मिक्स आजमाएं

अपने साप्ताहिक भोजन में एक नई या अलग सब्जी या सलाद आइटम जोड़ने का प्रयास करें, जैसे कि चुकंदर, कच्ची गाजर, लाल प्याज, एवोकाडो या टमाटर।

5. नट्स पर करें भरोसा

काजू, अखरोट, बादाम, मैकडामिया, पेकान और मिश्रित नट्स एक बढ़िया नाश्ता बनाते हैं।आपको नट्स को अच्छी तरह से चबाना होगा, इसमें वसा की मात्रा अधिक होने के कारण वे ऊर्जा–घने होते हैं। जबकि कुछ लोगों को लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको नट्स से बचना चाहिए, ऊर्जा प्रतिबंधित आहार की समीक्षा में पाया गया कि जिन लोगों ने नट्स खाए, उनका वजन उतना ही कम हुआ जितना कि उन लोगों का जिन्होंने नट्स नहीं खाए।

गर्मियों में शादी–पार्टी के लिए स्टाइलिश और कंफर्टेबल लुक पाने के आसान टिप्स

गर्मियों में शादी या पार्टी अटेंड करने से पहले महिलाओं को आउटफिट्स और मेकअप को लेकर कई तरह की चिंताएं होती हैं। इस मौसम में अक्सर भारी कपड़े और मेकअप पसीने और इरिटेशन का कारण बनते हैं, जिससे शादी या पार्टी का पूरा मजा खराब हो सकता है। लेकिन कुछ स्मार्ट फैशन टिप्स और मेकअप ट्रिक्स अपनाकर आप न सिर्फ आरामदायक महसूस कर सकती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिख सकती हैं।

हल्के रंगों का करें चयन

गर्मियों में सबसे जरूरी चीज है, हल्के और कूल कलर पहनना। गहरे रंग जैसे काले या गहरे लाल से बचें, क्योंकि ये ज्यादा गर्मी और पसीना बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय, हल्के रंग जैसे व्हाइट, पेस्टल पिंक, येलो और स्काई ब्लू न सिर्फ ठंडक पहुंचाते हैं, बल्कि इन रंगों में हर साल का ट्रेंड भी रहता है। इन रंगों के आउटफिट्स से आप गर्मी में भी आरामदायक और कूल महसूस कर सकती हैं।

हल्के फैब्रिक का चयन करें

गर्मियों में कंफर्टेबल रहने के लिए हल्के फैब्रिक का चुनाव करें, जैसे कॉटन, लिनन, जॉर्जेट या चंदेरी। ये फैब्रिक्स शरीर को सांस लेने का मौका देते हैं और पसीने को सोखने में मदद करते हैं। इससे आपको न तो गर्मी का एहसास होगा और न ही भारी कपड़े पहनने की परेशानी होगी।

फ्लोरल और नेचर प्रिंट्स चुनें

फ्लोरल प्रिंट्स या नेचर प्रिंट्स इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये न सिर्फ आपको ट्रेंडी दिखाते हैं, बल्कि गर्मी में भी आरामदायक महसूस कराते हैं। इस तरह के प्रिंट्स को पहनकर आप शादी या पार्टी में सबसे अलग और स्टाइलिश नजर आ सकती हैं।

मेकअप रखें हल्का और नैचुरल

गर्मियों में मेकअप को हल्का और नैचुरल रखें। भारी मेकअप से बचें क्योंकि गर्मी में यह जल्दी से मेल्ट हो सकता है। आप हल्के फाउंडेशन, न्यूड लिपस्टिक, मस्कारा और लाइट आईशैडो का इस्तेमाल कर सकती हैं। साथ ही, मेकअप को सेट करने के लिए सेटिंग स्प्रे का उपयोग करें, ताकि मेकअप पूरे दिन टिका रहे और ताजगी बनी रहे।

स्टाइलिश एक्सेसरीज का चयन करें

आपके लुक को कंप्लीट करने के लिए हल्के और ट्रेंडी एक्सेसरीज का चुनाव करें। पेयर ऑफ ईयरिंग्स, पर्ल नेकलेस या सिल्वर ब्रेसलेट जैसे एक्सेसरीज आपकी स्टाइलिशनेस को और बढ़ा सकते हैं। यह छोटे लेकिन प्रभावी बदलाव आपके लुक को और भी आकर्षक बना सकते हैं।

इन सभी टिप्स को फॉलो करके आप न केवल गर्मियों में कंफर्टेबल रह सकती हैं, बल्कि शादी या पार्टी में सबसे स्टाइलिश और खूबसूरत भी नजर आ सकती हैं। अपनी ड्रेस, मेकअप और एक्सेसरीज का सही चुनाव करें और हर किसी की नजरें आप पर होंगी।

संक्षिप्त

ATM को लेकर आए है नए नियम, फ्री लिमिट के बाद बढ़ेगा ट्रांजेक्शन चार्ज

भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम फीस को लेकर नए नियम लागू कर दिए है। नए नियम गुरुवार एक मई से लागू हो गए है। नए बदलावों में बैंकिंग प्रणाली में मुफ्त लेनदेन सीमा, अतिरिक्त लेनदेन के लिए शुल्क और इंटरचेंज शुल्क को प्रभावित करेंगे। नए नियमों के मुताबिक ग्राहक एक महीने में एक निश्चित संख्या में लेनदेन के लिए एटीएम का उपयोग कर सकते हैं। इस सीमित संख्या के बाद शुल्क लिया जाएगा। मेट्रो क्षेत्रों में तीन और गैर–मेट्रो क्षेत्रों में पांच निःशुल्क लेनदेन करने की सुविधा होगी। इनमें वित्तीय और गैर–वित्तीय दोनों प्रकार के लेनदेन शामिल हैं। एक बार लेनदेन की सीमा पूरी हो जाने पर, ग्राहक से एटीएम और कैश रिसाइक्लर मशीनों (सीआरएम) का उपयोग करके किए गए प्रत्येक अतिरिक्त लेनदेन के लिए 23 रुपये के शुल्क का भुगतान करना होगा। कैश डिपॉजिट मशीन के जरिए नगदी जमा करने पर कोई फीस नहीं ली जाएगी। वहीं जब ग्राहक अपने बैंक के एटीएम का उपयोग करेगा तो केवल वित्तीय लेनदेन की ही गणना होगी। वहीं अन्य बैंकों के लिए वित्तीय और गैर–वित्तीय दोनों लेनदेन की गणना होगी।

आरबीआई के फैसले का कारण

आरबीआई का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश में एटीएम परिचालन की वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। लाइवमिंट द्वारा रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 तक भारत में 2,16,706 एटीएम थे, जिनमें 1,30,902 ऑन–साइट और 85,804 ऑफ–साइट इकाइयां शामिल थीं। इन एटीएम परिचालनों पर कई कारकों का प्रभाव पड़ा है, जिनमें रखरखाव, नकदी प्रबंधन और प्रौद्योगिकी उन्नयन जैसी बढ़ती परिचालन लागतें शामिल हैं। इन कारकों के कारण एटीएम की उपलब्धता को जारी रखने के लिए शुल्क संरचना को समायोजित करना आवश्यक हो गया है, जिससे छोटे बैंकों और व्हाइट–लेबल ऑपरेटरों को राहत मिलेगी। आरबीआई द्वारा एटीएम लेनदेन शुल्क में संशोधन, विशेष रूप से नकदी निकासी से संबंधित, एटीएम परिचालन की बढ़ती लागत के साथ ग्राहक सुविधा को संतुलित करने के व्यापक प्रयास को दर्शाता है। यद्यपि शुल्क वृद्धि मामूली है, लेकिन यह एक उभरते वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है, जहां डिजिटल लेनदेन में तेजी जारी है और भौतिक नकदी प्रबंधन के लिए अधिक मजबूत बुनियादी ढांचे के समर्थन की आवश्यकता है।

अनंत अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक नियुक्त

अनंत अंबानी 1 मई से रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक के रूप में अपना नया पदभार ग्रहण करने वाले है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को उनकी नियुक्ति की पुष्टि की है। अनंत अंबानी पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए नई जिम्मेदारी संभालने वाले है। यह कदम भारत के सबसे बड़े व्यापारिक समूह में अगली पीढ़ी को

नेतृत्व हस्तांतरित करने की अंबानी परिवार की चल रही योजना का हिस्सा है। गौरतलब है कि अब तक अनंत अंबानी गैर–कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत थे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह अब कार्यकारी जिम्मेदारियां संभालेंगे और आरआईएल के प्रबंधन में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएंगे। अंबानी भाई–बहनों में सबसे छोटे अनंत, कंपनी की ऊर्जा और स्थिरता से संबंधित पहलों में शामिल रहे हैं। रिलायंस ने 2035 तक शुद्ध–शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य रखा है। अपनी भूमिका के तहत, अनंत स्वच्छ ईंधन और रसायनों के विकास, कार्बन कैप्चर प्रौद्योगिकियों, रीसाइक्लिंग पहलों और कच्चे तेल से रसायन रूपांतरण प्रक्रियाओं के संवर्धन में लगे हुए हैं।

टेस्ला को एलन मस्क कहेंगे टाटा... कंपनी ढूंढ रही नया सीईओ, रिपोर्ट में खुलासा

ऑटोमोटिव कंपनी टेस्ला से एलन मस्क की छुट्टी होने वाली है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की कुर्सी ही इस समय खतरे में पड़ गई है। टेस्ला नए सीईओ की खोज कर रही है जिसे देखते हुए ये चर्चा तेज है कि एलन मस्क के लिए समय खतरा भरा हो सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में चर्चा से परिचित लोगों के हवाले से कहा गया है कि टेस्ला बोर्ड ने कंपनी के लिए उपयुक्त उत्तराधिकारी की तलाश के लिए कई कार्यकारी खोज फर्मों से संपर्क किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी ही कंपनी में मुख्य कार्यकारी की भूमिका में मस्क की जगह लेने की यह उत्सुकता उनके व्हाइट हाउस में कार्यकाल और टेस्ला के शेयरों में गिरावट के बीच देखी गई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब बिक्री और मुनाफे में गिरावट के कारण कंपनी के भीतर तनाव बढ़ रहा है और मस्क का ज्यादातर समय वाशिंगटन में बीत रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान उनके पक्ष में आक्रामक तरीके से प्रचार करने वाले एलन मस्क को व्हाइट हाउस में एक विशेष भूमिका दी गई है। उन्हें सरकारी दक्षता विभाग (क्व्ळम्) चलाने का काम सौंपा गया है, जिसका उद्देश्य संघीय खर्च में कटौती करना और यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिका में सभी संघीय विभाग कुशलतापूर्वक काम कर रहे हैं। टेस्ला बोर्ड ने इस बड़े पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश के लिए कई फर्मों से संपर्क किया है, लेकिन एक बड़ी खोज फर्म पर ही ध्यान केंद्रित किया गया है, ऐसा चर्चाओं से परिचित लोगों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है।

चेपॉक में चेन्नई की लगातार पांचवीं हार, प्लेऑफ की दौड़ से बाहर; पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंची

चेन्नई। युजवेंद्र चहल की घातक गेंदबाजी के बाद प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी के दम पर पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घर में चार विकेट से हरा दिया। बुधवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 190 रन बनाए। उनके लिए सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में पंजाब ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीएसके के लिए खलील अहमद और मथीशा पथिराना ने दो–दो विकेट लिए जबकि रवींद्र जडेजा और नूर अहमद को एक–एक सफलता मिली।

पंजाब ने लगाई छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंची

10 में से आठ मुकाबले गंवा चुकी चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। चार अंक और –1.211 के नेट रन रेट के साथ टीम 10वें पायदान पर है जबकि पंजाब तीन स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अब उनके 13 अंक हो गए हैं और उनका नेट रन रेट 0.199 हो गया। वहीं, शीर्ष पर 14 अंकों के साथ आरसीबी काबिज है।

चेपॉक में सीएसके की लगातार पांचवीं हार

चेपॉक में लगातार पांच मैचों में हार के साथ चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली इस सत्र की पहली टीम है। ऐसा पहली बार हुआ है जब चेन्नई ने घरेलू मैदान पर लगातार पांच मुकाबलों में शिकस्त झेली है। इससे पहले 2008 और 2012 में फ्रेंचाइजी ने लगातार चार–चार मैच हारे थे।

पंजाब की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी हुई। खलील अहमद ने आर्या को अपना शिकार बनाया, जो 15 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरे नंबर पर

कप्तान श्रेयस अय्यर आए और उन्होंने प्रभसिमरन (54) के साथ 50 गेंदों में 72 रन जोड़े। दोनों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं और टीम की जीत सुनिश्चित कर पवेलियन लौटे। अय्यर ने 41 गेंदों में 72 रन बनाए जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा शशांक सिंह ने 23, नेहल वढेरा ने पांच और सूर्यांश शेडगे ने एक रन बनाया। वहीं, जोश इंग्लिस और मार्को यानसेन क्रमशः छह और चार रन बनाकर नाबाद रहे।

चेन्नई की पारी

इससे पहले चेन्नई की शुरुआत खराब हुई थी। शेख रशीद और आयुष म्हात्रे क्रमशरू 11 और सात रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सैम करन ने मोर्चा संभाला। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा किसी का साथ नहीं मिला। दोनों ने 78 रनों की साझेदारी निभाई। करन ने सर्वाधिक 88 रनों की पारी खेली जबकि ब्रेविस ने 32 रन बनाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने 17, शिवम दुबे ने छह, महेंद्र सिंह धोनी ने 11 और दीपक हुड्डा ने दो रन बनाए। वहीं, अंशुल और नूर अपना खाता भी नहीं खोल पाए जबकि खलील खाता खोले बगैर नाबाद रहे। इस मैच में पंजाब के लिए युजवेंद्र चहल ने चार विकेट हासिल किए। वहीं, अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन को दो–दो सफलताएं मिलीं। अजमतुल्लाह उमरजई और हरप्रीत बराड़ ने एक–एक विकेट अपने नाम किया।

वैभव को लेकर चिंतित हैं द्रविड़, बोले- स्टारडम और चकाचौंध से निपटने का तरीका उन्हें खुद ढूंढना होगा

जयपुर। आईपीएल 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शतक लगाकर तहलका मचा दिया। न सिर्फ उन्होंने शतक लगाया, बल्कि इस लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए। हालांकि, इस 14 वर्षीय खिलाड़ी को अचानक मिले इतने स्टारडम और चकाचौंध से राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा है कि इसमें बहकने की बजाय वैभव को इससे निपटने का तरीका खुद ही ढूंढना पड़ेगा। द्रविड़ ने कहा कि वह वह लोगों का वैभव पर जरूरत से ज्यादा फोकस नहीं चाहते, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसे वह रोक नहीं सकते।

मुझसे सिर्फ वैभव को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं

स्टार स्पोर्टर्स प्रेस रूम वार्ता में फैंस और मीडिया ने वैभव को लेकर सवालों की बौछार कर दी। इससे साबित होता है कि क्रिकेट जगत कुछ समय तक इस युवा प्रतिभाशाली क्रिकेटर को अकेले नहीं छोड़ने वाला। द्रविड़ ने कहा कि बिहार के इस युवा खिलाड़ी को रातोंरात मिली स्टारडम से निपटने का तरीका खुद तलाशना होगा। उन्होंने कहा, श्मुझे लगता है कि अभी कुछ समय उन पर ऐसे ही फोकस रहेगा। लोग उनके बारे में बात कर रहे हैं जिसे मैं रोक नहीं सकता। मैं यहां बातचीत के लिए आया हूं और मुझ से सिर्फ वैभव के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, श्वैभव के लिए यह चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन रोमांचक भी। मैं कहना चाहता हूं कि उन पर इतना ज्यादा फोकस नहीं करें, लेकिन मुझे पता है कि ऐसा होगा नहीं। हमें पता है कि उन्हें चकाचौंध मिलेगी और इसलिए इससे निपटने में उनकी मदद कर रहे हैं। भारत में क्रिकेटर होने का यह हिस्सा है। इससे बच नहीं सकते।श ऋषभ पंत, शुभमन गिल, पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल जैसे कई युवा खिलाड़ी तैयार कर चुके भारत के पूर्व अंडर 19 कोच ने यह भी बताया कि 14 वर्षीय वैभव क्यों खास हैं। उन्होंने कहा, श्इस तरह निर्भीक होकर खेलना और हालात का दबाव नहीं लेना खास है। इतनी कम उम्र में ऐसा देखने को नहीं मिलता। उनके पास इतने बेहतरीन शॉट्स भी हैं। वह अभी और निखरेंगे। अब टीमें उनके खिलाफ तैयारी के साथ उतरेंगी। बातचीत के दौरान वैभव की एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गई जिसमें उन्होंने द्रविड़ की तारीफ की है, लेकिन द्रविड़ ने उनकी कामयाबी का श्रेय लेने से इनकार किया। उन्होंने कहा, पूरा श्रेय वैभव को जाता है। इसका श्रेय मैं लूं तो यह गलत होगा। वैभव के पिता ने काफी सहयोग किया और राजस्थान रॉयल्स में कई लोग उनके साथ हैं।

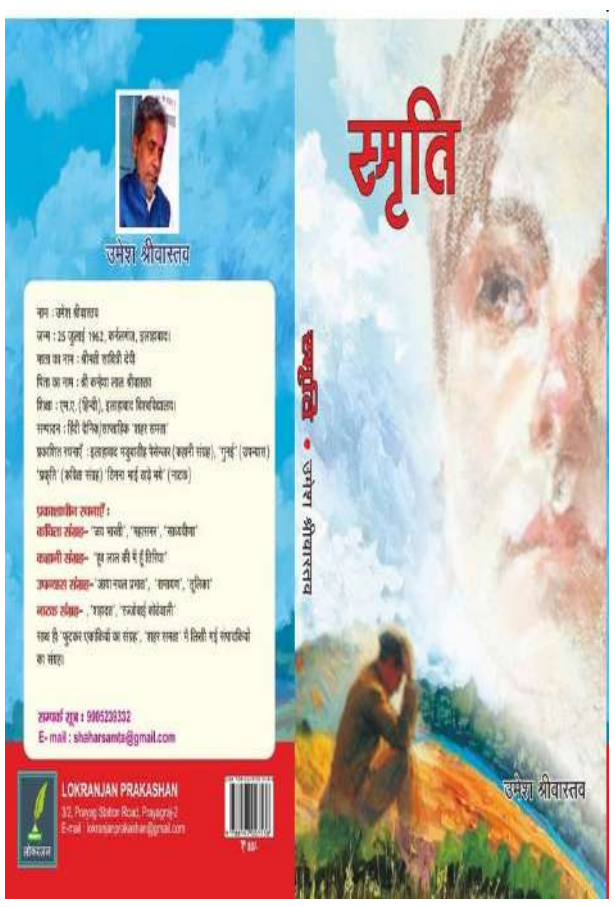

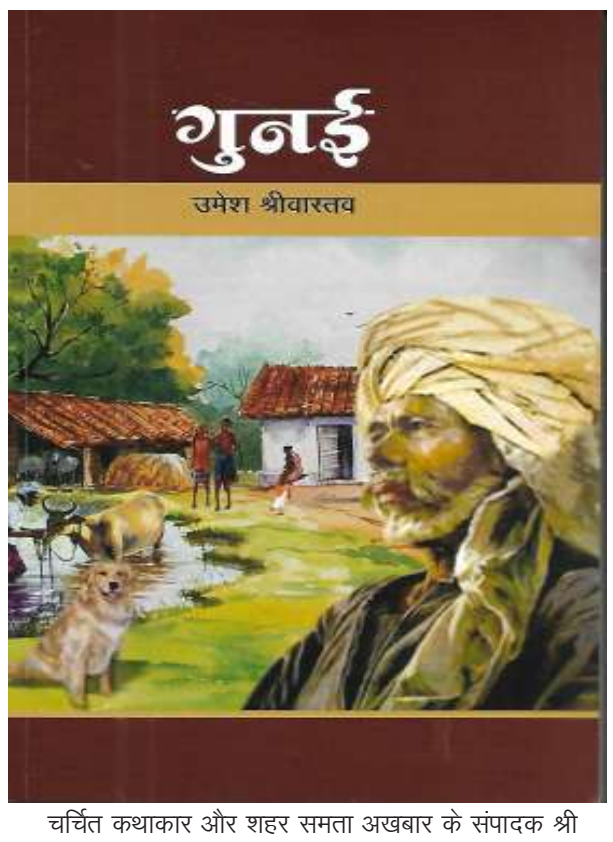

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

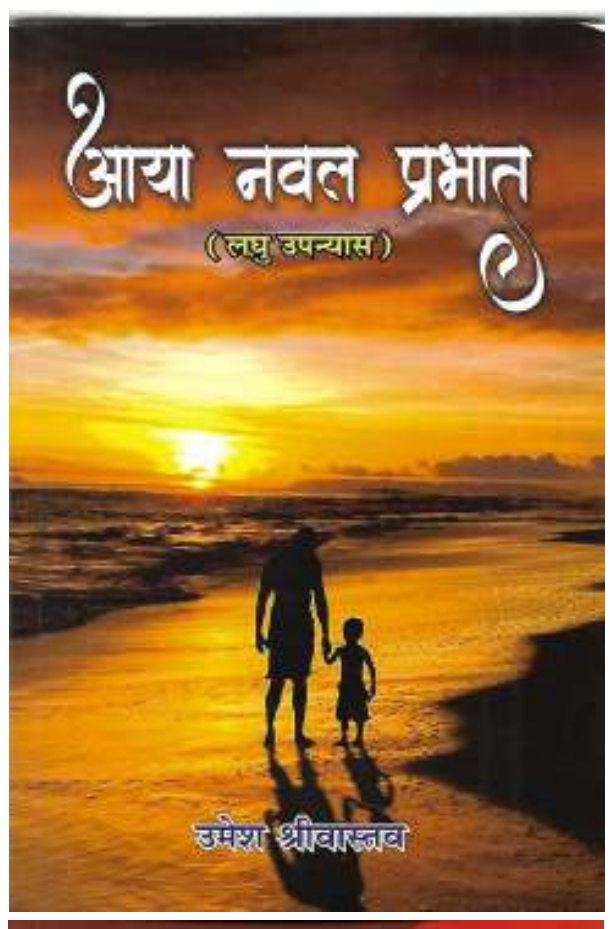

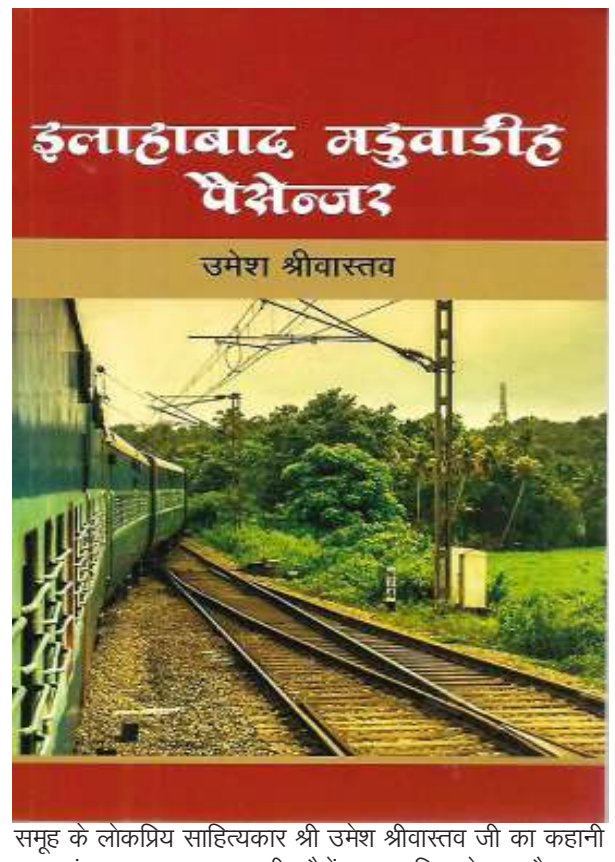

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

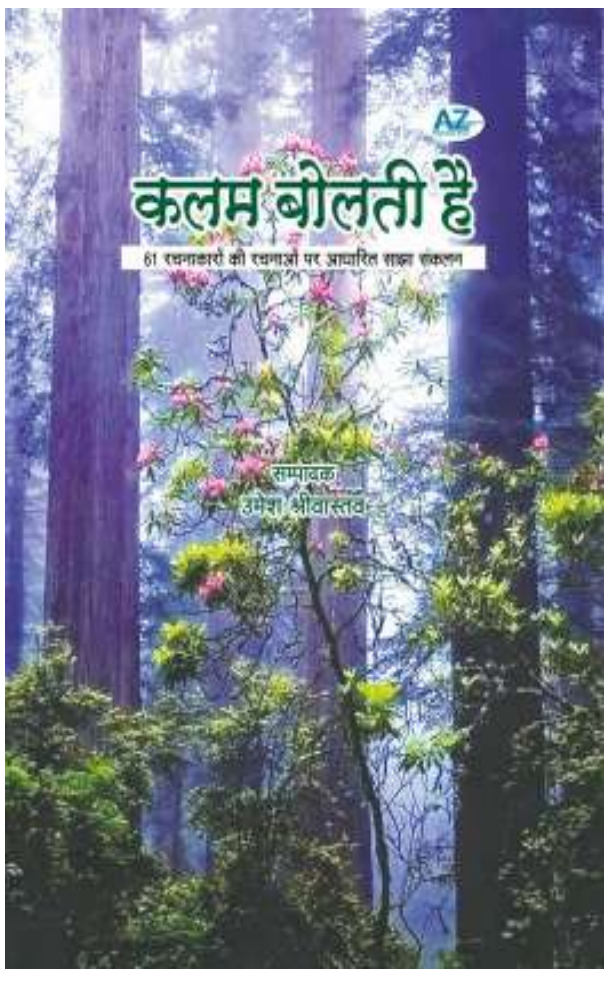

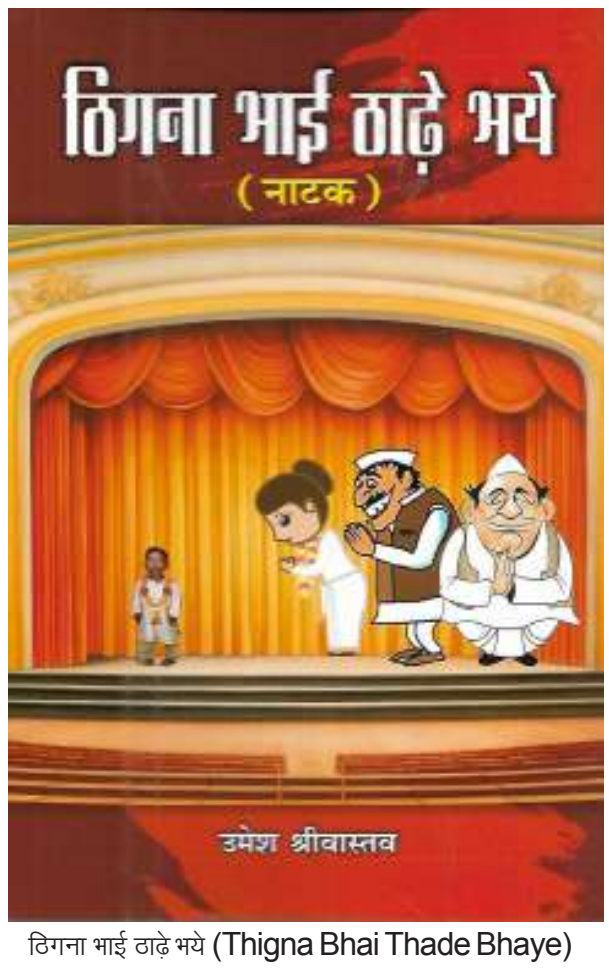

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

केन्या में विपक्षी नेता की बीच बाजार गोली मारकर हत्या, अफ्रीकी देश में गहराया राजनीतिक संकट

नैरोबी। अफ्रीकी देश केन्या में बुधवार रात विपक्षी नेता की बीच बाजार गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना राजधानी नैरोबी में घटी। पुलिस का कहना है कि हत्या की यह घटना सुनियोजित थी और विपक्षी सांसद को पूरी योजना के तहत निशाना बनाया गया। मृतक की पहचान केन्या के विपक्षी सांसद चार्ल्स वर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि चार्ल्स को नैरोबी के एक व्यस्त बाजार में कार में गोली मारी गई। पुलिस के अनुसार कि जिस वक्त चार्ल्स को गोली मारी गई, उस वक्त उनके साथ ड्राइवर और बॉडीगार्ड भी था। हमलावर बाइक से आए थे और उन्होंने कार का पीछा कर चार्ल्स वर पर गोलियां चलाईं। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूतो ने घटना पर दुख जताया और घटना की सघन जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो भी हत्या के जिम्मेदार हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाए। चार्ल्स वर विपक्षी ओरेंज डेमोक्रेटिक मूवमेंट पार्टी के सांसद थे और साल 2022 में पश्चिमी केन्या के कासीपुल निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। चार्ल्स वर विपक्षी नेता राइला ओडिंगा के करीबी थे। चार्ल्स की मौत पर ओडिंगा ने दुख जताया और चार्ल्स को धरती का बहादुर बेटा बताया। साल 2022 के आम चुनाव में रोडिंगा ने ही राष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रपति रूतो को चुनौती दी थी। केन्या में बीते साल से राजनीतिक तनाव गहराया हुआ है और इसके चलते सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में दर्जनों लोग मारे गए हैं। इस साल मार्च में ही राजनीतिक सुलह हुई है, लेकिन अब विपक्षी सांसद की हत्या ने संकेत दिए हैं कि पर्दे के पीछे केन्या में राजनीतिक संकट गहरा रहा है।

भारी बारिश-तूफान की चपेट में न्यूजीलैंड, क्राइस्टचर्च में आपातकाल लागू

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड को गुरुवार को भारी बारिश और तूफान का सामना करना पड़ा। खराब मौसम और तबाही को देखते हुए दक्षिणी द्वीप के सबसे बड़े शहर क्राइस्टचर्च में आपातकाल लागू कर दिया गया है। राजधानी वेलिंगटन में विनाशकाली तूफान आया है। देश के कुछ हिस्सों में भारी बर्फबारी और समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरे उठ रही हैं। हालांकि गनीमत है कि अभी खराब मौसम के चलते किसी की मौत या किसी व्यक्ति के घायल होने की खबर नहीं है। अभी तक नुकसान का अनुमान नहीं लगाया जा सका है, लेकिन राहत और बचाव कार्य जारी है।

150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रहीं हवाएं

खराब मौसम को देखते हुए लोगों से अपील की गई कि वे घरों के अंदर ही रहें और यात्रा करने से बचें। वेलिंगटन में 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं और इसके चलते बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए हैं। वेलिंगटन को जाने वाली फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। फेरी सेवा भी शुक्रवार दोपहर तक रोक दी गई है। मौसम विभाग ने समुद्र में पांच मीटर ऊंची लहरें उठने का अनुमान जताया है। वेलिंगटन के बाहरी इलाकों में हजारों मकानों में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है। स्कूल कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। क्राइस्टचर्च में भारी बारिश और बाढ़ की आशंका है, जिसके चलते शहर में आपातकाल लागू कर दिया गया है। कई सड़कें भारी बारिश से बंद हो गई हैं और बाढ़ का पानी लोगों के घरों में घुस सकता है। न्यूजीलैंड अपनी भौगोलिक स्थितियों के कारण वैसे ही तेज हवाएं झेलता है। इसके चलते न्यूजीलैंड के मौसम में कई बार बड़े बदलाव होते हैं और लोग भी इनके आदी हैं, लेकिन इस बार असामान्य तौर पर चेतावनी जारी की गई है।

इस्राइल के जंगलों में लगी भीषण आग, राष्ट्रीय आपातकाल लागू, लोग मकान छोड़कर भागे

यरूशलम। इस्राइल के यरूशलम के बाहरी जंगली इलाकों में भीषण आग लगी है। आग इस कदर फैल गई है कि सरकार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करना पड़ा है। आग के चलते यरूशलम के आसमान में धुएं का काला गुबार दिखाई दे रहा है। जंगलों की इस आग को इस्राइल के इतिहास की सबसे भीषण आग बताया जा रहा है। गर्म मौसम और तेज हवाओं के चलते यह आग भड़क गई है और तेजी से फैल रही है। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी जारी की है कि आग तेजी से यरूशलम की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अभी उनकी प्राथमिकता यरूशलम को बचाना है। मौके पर भारी संख्या में अग्निशमन दल के लोग मौजूद हैं और आग को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि तेज हवाओं के चलते कोशिश सफल नहीं हो पा रही है। आग को देखते हुए लोग सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं। अगर यह आग यरूशलम पहुंचती है तो इससे भयंकर नुकसान हो सकता है। लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सेना को तैनात किया गया है। इस्राइल की आपातकालीन चिकित्सा सेवा के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक 23 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 13 लोग जलने और धुएं के कारण अस्पताल में भर्ती हुए। इस आग को इस्राइल के इतिहास की सबसे बड़ी जंगलों की आग माना जा रहा है। आग के चलते तेल अवीव और यरूशलम को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया गया है। कई लोग अपने घरों और वाहनों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर भाग गए हैं। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटमार बेन ग्वीर का कहना है कि आगजनी के चलते यह आग लगी हो सकती है। पुलिस ने पूर्वी यरूशलम में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

द. कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान का इस्तीफा, राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की खबरों के बीच फैसला

सियोल। दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गुरुवार को एलान किया कि वे इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने यह कदम अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने की खबरों के बीच उठाया। हान ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग में कहा कि उन्होंने देश के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है।

येओल ने प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया था

दक्षिण कोरियाई मीडिया के मुताबिक, हान शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना अभियान शुरू करेंगे। हान को तत्कालीन

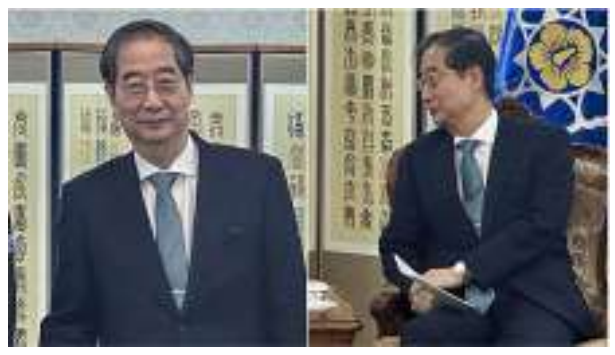

राष्ट्रपति युन सुक येओल ने प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया था। यह देश का दूसरा सबसे अहम पद है। हालांकि, येओल को बाद में मार्शल लॉ लगाने की साजिशों के आरोप के तहत पद से हटा दिया गया। इस वजह से चुनाव हो रहे हैं।

पीपुल्स पावर पार्टी के साथ गठबंधन कर सकते हैं हान

हान एक संभावित रूढ़िवादी नेता के रूप में उभर रहे हैं। मुख्य रूढ़िवादी पीपुल्स पावर पार्टी युन की ओर से पिछले साल 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू करने के बाद से असमंजस में है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि हान उदारवादी अग्रणी ली जे-म्यांग के खिलाफ अभियान शुरू करने के लिए पीपुल्स पावर पार्टी के साथ गठबंधन कर सकते हैं।

कौन हैं हान?

75 साल के हान एक नौकरशाह हैं, जिनके पास लगभग 40 वर्षों का सार्वजनिक सेवा का अनुभव है। उन्होंने अर्थशास्त्र में हार्वर्ड डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने रूढ़िवादी और उदारवादी दोनों सरकारों के तहत शीर्ष पदों पर कार्य किया है। उन्होंने व्यापार मंत्री, वित्त मंत्री और अमेरिका में राजदूत का कामकाज भी संभाला है। उन्होंने दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया है। पहले उदारवादी राष्ट्रपति रोह मू-ह्यून के तहत 2007-2008 तक और बाद में युन के कार्यकाल के दौरान उन्होंने देश का दूसरा सबसे अहम पद संभाला।

पक्ष और विपक्ष में बयानबाजी

हान के समर्थकों का कहना है कि उनकी आर्थिक मामलों पर पकड़ और सरकारी कामकाज का अनुभव उन्हें एक मजबूत नेता बनाता है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीतियों और अन्य आर्थिक समस्याओं से निपट सकता है। उनके आलोचकों का कहना है कि हान के पास कभी कोई निर्वाचित पद नहीं रहा। उनके पास कोई मजबूत राजनीतिक समर्थन आधार नहीं है। वे राष्ट्रपति बनने के लिए बहुत बूढ़े हैं और विवादास्पद मुद्दों से निपटने के लिए उनके पास कठोर नेतृत्व नहीं है।

ली जे-म्यांग से मुकाबला

इससे पहले उदारवादी उम्मीदवार ली जे-म्यांग ने रविवार को मुख्य उदारवादी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन अपने नाम किया। अब वे दावेदारों में शुमार हो गए हैं। जीत के लिए वे काफी लोगों की पसंदीदा सूची में शामिल हो गए हैं।

उप प्रधानमंत्री चोई सांग-मोक अब कार्यवाहक राष्ट्रपति

हान के इस्तीफे के साथ उप प्रधानमंत्री चोई सांग-मोक 3 जून को एक नए नेता के चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए हैं।

बिश्नोई गैंग की बदले की धमकी, हाफिज सईद की उड़ी नींद

पाकिस्तान सरकार ने बढ़ाई देश के सबसे बड़ा दुश्मन की सुरक्षा

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आईएसआई और पाकिस्तान सरकार ने लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद की रातों की नींद उड़ गई है। सूत्र दावा कर रहे है कि वह अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। यही कारण है कि पाकिस्तान सरकार ने उसकी सुरक्षा बढ़ा दी है। खबर है कि स्पेशल सर्विस ग्रुप (एसएसजी) के पूर्व कमांडो को उसकी सुरक्षा टीम में शामिल किया गया है और लाहौर के मोहल्ला जोहर स्थित उसके आवास पर अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है। 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड को जानबूझकर घनी आबादी वाले इलाके में रखा गया है, जहां मस्जिद, मदरसा और आस-पास आम नागरिकों के घर हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर उसे जेल में रखा गया है, लेकिन उसके

आवास को अस्थायी उप-जेल में बदल दिया गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सीसीटीवी कैमरों से एक किलोमीटर के दायरे में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसमें जेस्चर डिटेक्शन तकनीक से लैस कैमरे लगे हैं। 77 वर्षीय सईद को 2008 के मुंबई आतंकी हमलों में कथित भूमिका के साथ-साथ हाल ही में पहलगाम में हुई हत्याओं से जुड़े होने के कारण भारत और अमेरिका दोनों द्वारा वांछित माना जा रहा है। बुधवार को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने पहलगाम में नागरिकों की मौत का बदला लेने की धमकी दी। सईद की तस्वीर के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट में समूह ने "पाकिस्तान के लिए बेहद मूल्यवान व्यक्ति" को निशाना बनाने की कसम खाई। जबकि सईद आधिकारिक तौर पर सात आतंकी वित्तपोषण मामलों में 46 साल की सजा काट रहा है, उसकी हिरासत को व्यापक रूप से नाममात्र के रूप में देखा जाता है। 7 अप्रैल, 2022 के आदेश में, उसे आतंकी वित्तपोषण के दो मामलों में 31 साल की सजा सुनाई गई थी। यह 2020 में दी गई 15 साल की सजा के अतिरिक्त था, जिसमें अदालत ने सभी सजाओं को एक साथ चलाने का आदेश दिया था। 2019 से अपनी कथित हिरासत के बावजूद, सईद ने पिछले तीन वर्षों में दो दर्जन से अधिक सार्वजनिक रूप से उपस्थिति दर्ज कराई है, जिसमें से सबसे हालिया इस साल फरवरी में हुई थी। पूर्व एसएसजी कमांडो सहित बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे द्वारा संरक्षित, उसे अक्सर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी लॉन्च पैड और मुरीदके, बहावलपुर और रावलकोट के शिविरों में देखा गया है। भारत द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, सईद ने 2020 में लश्कर-ए-तैयबा को द रेजिस्टेंस फ्रंट के रूप में पुनः ब्रांड किया।

यूक्रेन पर रूस के हमले तेज, ओडेसा में दो लोगों की मौत, 15 घायल; बमबारी में इमारतें तबाह

कीव, एजेंसी। अमेरिका के शांति वार्ता के प्रयासों के बीच यूक्रेन पर रूस के हमले तेज हो गए हैं। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने दावा किया है कि गुरुवार सुबह रूस ने काला सागर के तटवर्ती शहर ओडेसा में ड्रोन हमले किए। इन हमलों मे दो लोगों की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि रूस की बमबारी से कई इमारतें तबाह हो गईं। इसमें अपार्टमेंट, घर, सुपरमार्केट और एक स्कूल शामिल है। टेलीग्राम पर किपर ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें एक ऊंची इमारत का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त, दुकानों का सामने का हिस्सा टूटा हुआ और अग्निशमन कर्मी आग से जूझते हुए दिख रहे हैं। मेयर इहोर तेरेखोव ने कहा कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव में एक पेट्रोल पंप पर ड्रोन हमले के बाद आग लग गई। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूस ने पांच क्षेत्रों में 170 विस्फोटक ड्रोन भेजे। इनमें से 74 को रोक दिया गया और अन्य 68 इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम हो गए। इसके अलावा रूस ने रातभर हमले के दौरान पांच बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं। वहीं रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने रात में आठ यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया।

यूक्रेन-अमेरिका के बीच हुआ है खनिज समझौता

रूस के हमलों में तेजी उस वक्त आई है जब अमेरिका और यूक्रेन ने खनिज संसाधन सौदे की घोषणा की है। इस समझौते के बाद अमेरिका को यूक्रेन के कीमती खनिजों तक पहुंच मिल गई है। अब दोनों देश मिलकर यूक्रेन की जमीन में छिपे हुए कीमती खनिजों को निकालेंगे और उनका इस्तेमाल करेंगे। अब यूक्रेन को अमेरिका की सैन्य सहायता जारी रहेगी।

पुतिन का युद्धविराम प्रस्ताव

इन हमलों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 8 से 10 मई तक के लिए 72 घंटे के एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है। यह युद्धविराम द्वितीय विश्व युद्ध के विजय दिवस के मौके पर घोषित किया गया है, जब 1945 में नाजी जर्मनी पर रूस की जीत हुई थी। हालांकि, पुतिन ने युद्धविराम की निगरानी को लेकर कोई अन्य स्पष्ट योजना नहीं दी है। वहीं यूक्रेन ने पुतिन के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। साथ ही इसे अमेरिका और बाकी दुनिया को धोखा देने की कोशिश बताया है। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कम से कम 30 दिनों तक चलने वाले तत्काल युद्ध विराम का आह्वान किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पुतिन की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें संदेह है कि रूस बातचीत के बहाने धोखा देने की कोशिश कर रहा है।

सबूत नहीं दिखाएंगे... उप प्रधानमंत्री डार, डीजी आईएसपीआर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत पर लगाया गंदा आरोप

उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और महानिदेशक (डीजी) इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी भारत के जम्मू और कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर हमले को लेकर पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़ते तनाव के बीच प्रेस कॉन्फ्रेंस किया है। पाकिस्तान की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस दोनों देशों के बीच पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से कड़े और बड़े एक्शन लिए जाने के खौफ के बीच हुई है। पाकिस्तान की तरफ से कहा गया है कि नई दिल्ली ने बिना कोई सबूत पेश किए सिंधु जल संधि को निलंबित करने, वाघा-अटारी सीमा क्रॉसिंग को बंद लिए कई दंडात्मक कदम उठाए। एक हुए डीजी आईएसपीआर ने उल्टा चोर तर्ज पर भारत पर ही खुद प्रायोजित कुछ दिन पहले नई दिल्ली ने पहलगाम हमले का आरोप लगाया रूप से कहा कि भारत पाकिस्तान के आतंकवाद में शामिल है। पहलगाम

हमले से इस्लामाबाद को जोड़ा और पाकिस्तानियों के वीजा रद्द करने और करने सहित संबंधों को कम करने के दिन पहले मीडिया को जानकारी देते कोतवाल को डांटे वाले कहावत की आतंकवाद के सबूत पेश किए। इससे इस्लामाबाद पर आईआईओजेके में था। लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने स्पष्ट खिलाफ राज्य प्रायोजित सीमा पार हमले को सात दिन हो चुके हैं, फिर भी पाकिस्तान के खिलाफ लगाए गए बेबुनियाद आरोपों को साबित करने के लिए एक भी सबूत पेश नहीं किया गया है। डीजी आईएसपीआर ने कहा कि भारत पाकिस्तान के अंदर आतंकी नेटवर्क संचालित करता पाया गया है, जिसमें न केवल सुरक्षा बलों बल्कि निर्दोष नागरिकों को भी निशाना बनाने के इरादे से आतंकवादियों को विस्फोटक, आईईडी और अन्य घातक सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। यह अकाट्य सबूत भारत द्वारा संचालित राज्य प्रायोजित आतंकवाद के व्यापक पैटर्न का एक छोटा सा हिस्सा मात्र है।

टेंशन के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री ने जयशंकर और शहबाज शरीफ को मिलाया फोन

संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत और पाकिस्तान से अलग-अलग बात की। आतंकवाद विरोधी प्रयासों पर नई दिल्ली के साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान को तनाव कम करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इसने इस्लामाबाद से जम्मू-कश्मीर के हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में सहयोग करने का आग्रह किया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। रुबियो ने

विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की। जयशंकर के साथ अपनी बातचीत के दौरान उन्होंने जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की और बैसरन घाटी में हुए भीषण आतंकी हमले पर दुख व्यक्त किया, जिसमें ज्यादातर पर्यटक शामिल थे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन्होंने भारत को तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। शरीफ के साथ अपनी बातचीत के दौरान रुबियो ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की निंदा करने के महत्व पर जोर दिया और पाकिस्तानी अधिकारियों से "इस अमानवीय हमले" की जांच में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने पाकिस्तान को तनाव कम करने, सीधे संचार चौनल बहाल करने और पूरे दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रयासों में भारत के साथ जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया। रुबियो और शरीफ ने "हिंसा के अपने जघन्य कृत्यों के लिए आतंकवादियों को जवाबदेह ठहराने के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की।"

पहलगाम आतंकी हमला: भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच रूबियो ने की शरीफ से बात

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पिछले सप्ताह पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को फोन किया।

इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि अमेरिका कश्मीर की स्थिति के संबंध में भारत और पाकिस्तान दोनों से संपर्क कर रहा है और उन्हें तनाव को और न बढ़ाने के लिए कह रहा है। ब्रूस ने यह भी कहा था कि रुबियो "आज या कल तक पाकिस्तान और भारत के विदेश मंत्रियों से बात कर सकते हैं।"

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि शरीफ ने अमेरिकी विदेश मंत्री को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दक्षिण एशिया में हाल के घटनाक्रम के संबंध में पाकिस्तान के दृष्टिकोण से अवगत कराया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।